आज़ादी का अमृत महोत्सव

मध्यप्रदेश शासन

अमृत सरोवर

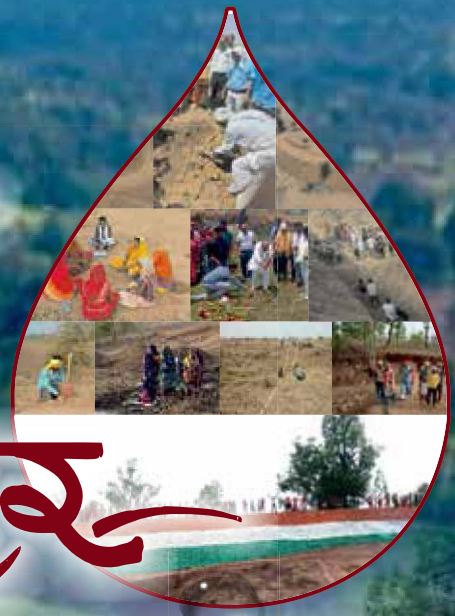

काल के प्रस्तर में दर्ज होती जल गाथाएं

मध्यप्रदेश शासन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

हम सब मिलकर एक काम कर सकते हैं। हम संकल्प करें कि इस वर्ष प्रतिपदा से अगले वर्ष प्रतिपदा तक, हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाएंगे।

नरेन्द्र मोदी

(प्रधानमंत्री)

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश शासन

शिवराज सिंह चौहान

संदेश

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ''आज़ादी का अमृत महोत्सव'' 15 अगस्त 2022 तक मनाया जा रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव को अविस्मणीय बनाने के लिये देश में विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं, इसी क्रम में मध्यप्रदेश में भी आयोजन जारी है।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश की जनता से किए गए आह्वान अनुरूप आज़ादी के अमृत महोत्सव को अविस्मणीय बनाने के लिये प्रत्येक जिले में अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में बनाये जा रहे अमृत सरोवर केवल जल भण्डारण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को चिरस्मृत बनाने का प्रतीक हैं। इसलिये इनके निर्माण स्थल के चयन में यह ध्यान रखा गया है कि अमृत सरोवर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी अमर हुतात्माओं की गौरव गाथाओं की याद ताजा करने में सहायक हों। मध्यप्रदेश में अधिकांश सरोवर स्वतंत्रता वीरों के जन्मस्थली, कर्मस्थली अथवा अन्य महत्वपूर्ण प्रसंगों से संबंधित स्थानों पर बनाये जाने का प्रयास किया गया है। यह सरोवर जल भण्डारण, सिंचाई, पेयजल के साथ-साथ मछली पालन, सिंघाड़ा उत्पादन से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में उपयोगी होंगे। साथ ही इनका विकास पर्यटन स्थलों के रूप में भी किया जायेगा। इन सरोवरों पर घूमने जाने वाले सैलानियों को आसपास के क्षेत्र से जुड़ी गौरव गाथाओं, प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं, महान विभूतियों, ऐतिहासिक धरोहरों, स्मारकों, विरासतों, सामाजिक आंदोलनों, विचारकों, समाज सुधारकों, धार्मिक-सामाजिक मूल्य मान्यताओं, संस्कृति आदि के संबंध में जानकारी मिल सकेगी। अमृत सरोवर का नामकरण तथा अन्य विशिष्ट बातों का उल्लेख करते हुये पटल लगाये जायेंगे।

सामुदायिक सहभागिता एवं जनस्वामित्व का भाव सुनिश्चित करने हेतु सरोवरों का उपयोग करने के लिये शुरुआत से ही उपयोगकर्ता समूहों को चिन्हित किया गया है। सरोवरों से आजीविका प्राप्त करने वाले यह समूह भविष्य में इनका संधारण भी करेंगे। मुझे विश्वास है कि यह अमृत सरोवर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों की गौरव गाथाओं को अविस्मणीय बनायेंगे। इनके माध्यम से जनमानस की स्मृति पटल में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' सदैव अंकित रहेगा।

शुभकामनाओं सहित!

(शिवराज सिंह चौहान)

महेन्द्र सिंह सिसोदिया
मंत्री
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

मध्यप्रदेश शासन

महेन्द्र सिंह सिसोदिया

संदेश

मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्धशाली है, प्रमुख रूप से मालवा, निमाड़, बघेलखण्ड, बुंदेलखण्ड, रेवांचल, चंबल आदि विभिन्न क्षेत्रों सहित अनेकों ऐसे स्थान हैं जहां के रणबांकुरे, नायक तथा उनके संस्मरण प्रेरणादायी हैं। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिये प्रदेश में बनाये जा रहे अमृत सरोवर इन्हीं ऐतिहासिक स्थानों, घटनाओं, परंपराओं, आंदोलनों एवं नायकों के संस्मरणों की यादें ताजा करने में सहायक होंगे। सरोवरों के निर्माण के लिये स्थान चयन, नामकरण आदि में इस बात का ध्यान रखा गया है कि क्षेत्र विशेष के नायकों के कला, साहित्य एवं समाज के उत्थान में उनके योगदान को जोड़ा जाये ताकि सरोवरों पर पहुंचने वाले लोगों को आस-पास के क्षेत्र की प्रमुख जानकारी मिल सके।

इन सरोवरों की क्षेत्र में एक अलग पहचान बनेगी, स्थानीय लोगों को उपयोगकर्ता समूह के रूप में लाभान्वित करने के लिये चिन्हित किया गया है। अन्य विभागों से अभिसरण कर उपयोगकर्ता समूह सदस्य हितग्राहियों को मछली पालन तथा सिंघाड़ा उत्पादन आदि के लिये प्रशिक्षण व सहायता भी दी जायेगी। ''अमृत सरोवर'' रोजगारमूलक, ऐतिहासिक जानकारीमूलक, रमणीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होकर लोगों के लिये बहुउपयोगी संरचना साबित होंगे। कालांतर में यह सरोवर जनमानस के स्मृति पटल पर आज़ादी के 75वें वर्ष की यादें ताजा रखने में सहायक बनेंगे।

शुभकामनाओं सहित!

महेन्द्र सिंह सिसोदिया
मंत्री
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग
मध्यप्रदेश

रामखेलावन पटेल
राज्यमंत्री
पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार),
विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़
जनजाति कल्याण (स्वतंत्र प्रभार),
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग
मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश शासन

रामखेलावन पटेल

संदेश

अमृत जैसी किसी बहुमूल्य वस्तु की पौराणिक कथायें व किवदंतियां हम अक्सर सुनते रहे हैं लेकिन हमने अमृत देखा नहीं है लेकिन एक वस्तु है जो वास्तव में अमृत है जिसे हम सबने देखा है, हम उसका उपयोग अपने जीवन में प्रतिदिन करते हैं और उस अमृत का नाम है 'जल'। जीवन में पानी के महत्व के संबंध में सुप्रसिद्ध कवि रहीम जी का दोहा ''रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून, पानी गये न ऊबरें, मोती, मानुष, चून'' के मूल भाव में जो संदेश है वह वर्तमान समय में बहुत प्रासंगिक हो गया है। आशय स्पष्ट है कि पानी सभी जीवों, पशुओं, पक्षियों तथा वनस्पति के जीवन के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण तत्व है। प्रकृति ने हमें बारिश के रूप में, नदी, झीलें, झरने और समुद्र आदि के रूप में पानी दिया है। अगर हम इन सभी स्रोतों से प्राप्त पानी का संरक्षण करते हैं और इसे सुरक्षित रखते हैं तो हमें आवश्यकता के अनुसार पूर्ति हेतु पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा।

देश की आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जल संरक्षण के लिये सामुदायिक भागीदारी करते हुये प्रदेश में 5 हजार से अधिक अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। आजादी की 75वीं वर्षगांठ की यादगार में बनाये जा रहे यह सरोवर प्रदेश की समृद्धि एवं विकास के लिये मील का पत्थर साबित होंगे, साथ ही आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान किस तरह दूर-दृष्टि, एवं जनकल्याण को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा विकास कार्य कराये गये उनकी याद दिलाते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित!

(रामखेलावन पटेल)
राज्य मंत्री
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (म.प्र.)

विषय सूची

01
मध्यप्रदेश में
अमृत सरोवर
विचार से क्रियान्वयन तक
की यात्रा

03
हर कहानी
कुछ कहती है

09-83
अमृत सरोवर की
75 कहानियां

84
मेरा अमृत सरोवर
मेरे विचार

90-91
झरोखा

92
प्रदेश की प्रगति
की झलक

93
अपनी बात

मध्यप्रदेश में अमृत सरोवर

विचार से क्रियान्वयन तक की यात्रा

जल संरक्षण के अपने संकल्प को दोहराते हुए प्रधानमंत्री जी ने गुजरात में कुओं और बावड़ियों के संरक्षण के अनुभव से पूरे देश में अमृत सरोवर के निर्माण की अपील की थी। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवरों का निर्माण किये जाने के उनके आह्वान पर मध्यप्रदेश ने अमृत सरोवर को जल संरक्षण के साधन के साथ-साथ गांव की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विकसित करने का प्रण लिया है। आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर अमृत सरोवर के रूप में एक नया अध्याय देश के इतिहास में जुड़ रहा है। अमृत सरोवर के तट पर लहराता तिरंगा हमें याद दिलाएगा उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद जवानों की जिनके कारण आज हम आज़ाद देश में सांस ले पा रहे हैं।

मध्यप्रदेश सरकार ने 5796 अमृत सरोवर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में सरोवर के लिए स्थान का चयन वैज्ञानिक तरीके एवं जन-समुदाय की भागीदारी से किया गया है। सरोवर के चारों ओर वृक्षारोपण, पथ निर्माण एवं वर्षा के अतिरिक्त जल भराव के अन्य साधन विकसित करते हुए इनके स्थायित्व के लिए भी बुनियाद रखी जा रही है। अमृत सरोवर के अमृत उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण भी पूरे मन से इस काम में सहयोग कर रहे हैं। जन समुदाय से मजदूरी के साथ-साथ सामग्री, मशीनरी, ईंधन आदि में भी सहयोग मिल रहा है। जनभागीदारी के कई बेहतर उदाहरण अमृत सरोवर के निर्माण में परिलक्षित हुए हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के साथ अन्य योजनाओं का अभिसरण इसके निर्माण में सहायक है।

इन सरोवर के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को न केवल पानी की पूर्ति होगी बल्कि आजीविका के नए साधन भी सृजित होंगे। प्राथमिक रूप से सिंचाई एवं निस्तार के लिए अतिरिक्त जल की सुनिश्चिता होगी। सरोवर में सिंघाड़ा उत्पादन, मछली पालन एवं अन्य गतिविधियों से आय के जीवन स्रोत निर्मित होंगे।

अमृत सरोवर के निर्माण में मध्यप्रदेश राज्य प्रतिबद्ध है कि यह सरोवर जल की उपलब्धता के साथ-साथ अमृत प्राप्ति का साधन बनें तथा उस गांव की संस्कृति, विशिष्ट पहचान एवं पर्यटन का केन्द्र बनें।

अमृत सरोवर
2022

हर कहानी कुछ कहती है

'अमृत सरोवर' की 75 कहानियां

आजादी के अमृत काल में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर हजारों-लाखों प्रदेशवासियों के अथक प्रयास, उत्साह, अनुभव और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। गांव का हर वर्ग, हर व्यक्ति अपने गांव में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर को अलग नजरिए से देख रहा है। अमृत सरोवर का सरोकार सिर्फ जल से नहीं है, बल्कि यह जुड़ा है गांव के शहीदों की गौरवपूर्ण गाथाओं से, वीरों के बलिदानों से। अमृत सरोवर में कहीं झलक है इतिहास की, कहीं यह परिचायक है सुंदरता का, कहीं इसमें रोजगार की छांव है, कहीं धार्मिक हो रहा पूरा गांव है। यह आशा भी है और आश्रय भी है।

प्रदेशवासियों की इन्हीं भावनाओं को शब्दों में ढालकर अमृत सरोवर की 75 विभिन्न भावनाओं से परिपूर्ण कहानियां प्रस्तुत की गई हैं।

'अमृत सरोवर' की 75 कहानियां

क्र.	कहानी	पेज क्र.
1.	जननायक के शौर्य और साहस को नमन - खण्डवा	9
2.	पवित्र भूमि पर बरसेगा अमृत - शिवपुरी	10
3.	अमर शहीद वीर बाला बिंदु कुमरे की शहादत को श्रद्धांजलि - सिवनी	11
4.	प्राकृतिक और खनिज संसाधनों के साथ-साथ जल संपन्नता की ओर - सिंगरौली	12
5.	झाबुआ के जनजाति समुदाय के लिए उम्मीद का चिराग है अमृत सरोवर - झाबुआ	13
6.	अमृत सरोवर में जंगल का राजा - मण्डला	14
7.	देश की सेवा में लगे जवान को समर्पित अमृत सरोवर - रतलाम	15
8.	यही आज़ादी का अमृत महोत्सव है - रायसेन	16
9.	अमृत सरोवर - पारिस्थितिकी संतुलन का परिचय - श्योपुर	17
10.	संत श्री सिंगाजी को समर्पित अमृत सरोवर - खण्डवा	18
11.	कायावरोहणेश्वर महादेव' अमृत सरोवर-जन समुदाय की धार्मिक विरासत - उज्जैन	19
12.	शहीद को नमन कर रहा है कैमराकलां का अमृत सरोवर - मुरैना	20
13.	प्रकृति के पूजक आदिवासीजन के लिए एक सौगात - शहडोल	21
14.	याद रखे जाएंगे यह दानवीर - अलीराजपुर	22
15.	सरोवर के तट पर शान से लहराएगा तिरंगा - शिवपुरी	23
16.	समाज को राह दिखाने वाले समाजसेवी को समर्पित अमृत सरोवर - मंदसौर	24
17.	अमृत सरोवर के तट पर गूंजा ! हर-हर महादेव - बड़वानी	25
18.	स्वर्णिम इतिहास में जुड़ रहा है नया नाम - ग्वालियर	26

क्र.	कहानी	पेज क्र.
19.	सब जुड़ेंगे, तब बदलेगी तस्वीर - टीकमगढ़	27
20.	अमृत सरोवर के तट पर लगेंगे मेले - धार	28
21.	संस्कृतियों के संगम में - सरोवर की कड़ी का जुड़ाव - कटनी	29
22.	हरियाली बढ़ाने आगे आए अनुभवी हाथ - खरगोन	30
23.	मिल गई संजीवनी - जबलपुर	31
24.	गोण्ड राजवंश की धरती होगी सुशोभित - मण्डला	32
25.	दूर तक खुशियाँ पहुंचीं, सरोवर से जागी आस - पन्ना	33
26.	यह तालाब अमृत तुल्य होगा - विदिशा	34
27.	अमृत सरोवर के भगीरथ - इंदौर	35
28.	जनभागीदारी ने किया सपना साकार - भिण्ड	36
29.	चमकेगी रामनरेश के फूलों की दुकान - दतिया	37
30.	हमने मन में ठानी है, अब रोकना पानी है - गुना	38
31.	जब जन-जन साथ आ जाए तो कोई भी काम बड़ा नहीं लगता - उमरिया	39
32.	प्रकृति के बीच सरोवर की छटा - छिंदवाड़ा	40
33.	गांव की महिलाओं की आकांक्षाओं से जुड़ा अमृत सरोवर - बैतूल	41
34.	कुछ यूं पूरी हुई ग्राम पंचायत लिधारी के ग्रामीणों की मन्नत - नरसिंहपुर	42
35.	जीवन का अमृत है पानी - खरगोन	43
36.	मन को भाता है यह अमृत सरोवर - रायसेन	44
37.	विलुप्ति की कगार पर पहुंचे जीव-जंतुओं के संरक्षण को संबल - गुना	45
38.	शहीद मेजर को रीवा की धरती का नमन - रीवा	46

क्र.	कहानी	पेज क्र.
39.	मयूर नृत्य देखने को आतुर नैन - नर्मदापुरम	47
40.	जब आदिवासी परिवारों को समझ आया सरोवर का महत्व - सीधी	48
41.	अमृत सरोवर को मिला संत का आशीर्वाद - भोपाल	49
42.	निराशा में आशा की किरण - अमृत सरोवर - बालाघाट	50
43.	जीवन की समृद्धता में पानी है प्रधान - भोपाल	51
44.	अभेद किले से जुड़ी महिला नेतृत्व की पहचान - बुरहानपुर	52
45.	अहिंसा, तप, संयम आदि गुणों को चरितार्थ करेगा अमृत सरोवर - नरसिंहपुर	53
46.	बहादुर शहीद की यादों को मूर्त रूप दिया - मुरैना	54
47.	जल का संरक्षण हमारा कर्तव्य - दमोह	55
48.	अन्नदाता को समर्पित अमृत सरोवर - बड़वानी	56
49.	जल धारा जीवन धारा - सागर	57
50.	वन्य प्राणियों की रक्षा की ओर एक कदम - छिंदवाड़ा	58
51.	जल संरक्षण से जीवन संरक्षण - सागर	59
52.	इतिहार में दर्ज रीति में जुड़ा एक नया मकाम - मंदसौर	60
53.	आगे आ रहे हैं कई हाथ - झाबुआ	61
54.	वर्ष में 03 फसल से सुधरेंगे आर्थिक हालात - रायसेन	62
55.	अमृत सरोवर के जल से मनेगी रंगपंचमी - अशोकनगर	63
56.	सही तकनीक देती है बेहतर परिणाम - आगर-मालवा	64
57.	अमृत सरोवर की प्रशंसा करता कमल सरोवर - मंदसौर	65
58.	जनभागीदारी का कीर्तिमान - देवास	66

क्र.	कहानी	पेज क्र.
59.	वीर सपूत शहीद देवेन्द्र द्विवेदी को समर्पित अमृत सरोवर - रीवा	67
60.	इतिहास भी, आस्था भी - श्योपुर	68
61.	एक पंत दो काज - कटनी	69
62.	बनी रहे जनसहयोग की कड़ी - मण्डला	70
63.	दिल के धनी भील समुदाय को अमृत सरोवर से मिलेगी नयी पहचान - रतलाम	71
64.	सरोवर निर्माण कार्य बना सहयोग और योगदान की मिसाल - शडहोल	72
65.	अमर रहेगा सीधी का लाल - सीधी	73
66.	समाजसेवी भी आ रहे हैं आगे - शहडोल	74
67.	बदलेगा जीवन का स्तर, फिर होगा बेहतर कल - सीहोर	75
68.	अमृत सरोवर में लिखा जाएगा पेशवा का इतिहास - खरगोन	76
69.	अमिट रहेगा आपका लेखन - खण्डवा	77
70.	राष्ट्रीय धरोहर के पास अमृत सरोवर - सीहोर	78
71.	अमृत सरोवर के चारों ओर गूंजा नर्मदे हर! - अनूपपुर	79
72.	ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देता अमृत सरोवर - नर्मदापुरम	80
73.	बारहमास होगी सब्जियों की पैदावार - सतना	81
74.	अमर रहेगा देश का सपूत - बालाघाट	82
75.	वीरांगना के अदम्य साहस पर शीष नवाता पूरा देश - दमोह	83

1

जननायक के शौर्य और साहस को नमन

''इंडियन रॉबिन हुड'' के नाम से प्रसिद्ध लोकनायक श्री टंट्या भील को भला कौन नहीं जानता। स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश भारत के एक बड़े सक्रिय विद्रोही और क्रांतिकारी के रूप में इनके किस्से आज भी आज़ादी के आंदोलन के सुनहरे पन्नों में दर्ज हैं। जननायक श्री टंट्या मामा की जन्मस्थली से मात्र **06** कि.मी. की दूरी पर निर्मित हो रहा है अमृत सरोवर, जो कि जिला खण्डवा की ग्राम पंचायत राजगढ़ दिवाल में स्थित है। आज़ादी के **75**वें वर्ष में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर को श्री टंट्या भील को समर्पित करते हुए देशवासियों की ओर से उन्हें यह श्रद्धांजलि अर्पित है। जिस प्रकार टंट्या मामा गरीब और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिये समर्पित रहे, उसी प्रकार यह अमृत सरोवर भी क्षेत्र में निवास करने वाले आदिवासी समाज के लिए एक वरदान से कम नहीं है। यह सरोवर इन्हें आजीविका के साधन से जोड़ रहा है। अमृत सरोवर के माध्यम से श्री टंट्या भील द्वारा देश की आज़ादी के लिए दिये गये योगदान और बलिदान को सदा चिरस्मृत रखा जायेगा।

खण्डवा

2

पवित्र भूमि पर बरसेगा अमृत

विश्व की सबसे प्राचीन धरोहर तीर्थोदय अतिशय क्षेत्र है गोलाकोट जी। ऋषियों की भूमि भारतवर्ष के मध्यप्रदेश में दैदीप्यमान किन्तु उपेक्षित रहा गोलाकोट क्षेत्र आज पूरी दुनिया में तेजी से उभरकर आया है। शिवपुरी जिले की तहसील खनियाधाना से 8 कि.मी दूर 01 कि.मी ऊंची पहाड़ी पर स्थित अत्यन्त प्राचीन पाषाण से निर्मित जिनालय में श्री 1008 आदिनाथ जी की प्राचीनतम प्रतिमा स्थापित है। पुरातत्वविदों एवं इतिहासकारों के अनुसार यह प्रतिमा लगभग हजारों वर्ष पुरानी है। प्रतिमा की प्राचीनता का प्रमाण दर्शन करते ही मिल जाता है। तीर्थोदय क्षेत्र जिन पहाड़ियों पर स्थित है उसके चारों ओर गोलाई के रूप में पर्वत श्रृंखला इसे घेरे हुए है जो प्राकृतिक रूप से एक कोट का निर्माण करती है, इस कारण इस क्षेत्र का नाम गोलाकोट रखा गया। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत इस पवित्र भूमि पर 137000 घनमीटर की क्षमता वाले विशाल 'अमृत सरोवर' का निर्माण किया जा रहा है। अमृत सरोवर के क्षेत्र में पौधा रोपण किया जाकर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना है। देश-विदेश से तीर्थ पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह किसी स्वर्ग की अनुभूति से कम न होगा।

शिवपुरी

3

अमर शहीद वीर बाला बिंदु कुमरे की शहादत को श्रद्धांजलि

लगभग दो दशक पहले श्रीनगर एयरपोर्ट पर चार महिला सैनिक साथियों के साथ सुश्री बिंदु कुमरे सुरक्षा में तैनात थीं। **16** जनवरी **2001** को मध्य रात्रि के बाद एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले में तीन आतंकवादियों को मारकर वह शहीद हो गईं। बिंदु बचपन से ही बहादुर थीं। वर्ष **1997** में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की भर्ती में कुमरे का चयन **88** महिला बटालियन में हुआ। जिला सिवनी की ग्राम पंचायत नंदौरा में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर को ग्रामीणों ने सिवनी की शहीद बेटी को समर्पित करने का निर्णय लिया है। शहीद बिंदु कुमरे को समर्पित इस सरोवर से क्षेत्रवासियों को पूरा विश्वास है कि यह सरोवर गांव में जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण साधन साबित होगा।

सिवनी

4

प्राकृतिक और खनिज संसाधनों के साथ-साथ जल संपन्नता की ओर

प्राकृतिक और खनिज संसाधनों से संपन्न क्षेत्र है जिला सिंगरौली। प्राचीन काल में यह क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ था। खनिज संसाधनों और तापीय विद्युत संयंत्रों की प्रचुरता के कारण इसे ऊर्जांचल नाम दिया गया है। ऐतिहासिक रूप से सिंगरौली रीवा की एक रियासत थी, जो बघेलखंड क्षेत्र का हिस्सा था। देवसर की पहाड़ियों के दुर्गम क्षेत्र में जैवविविधता, मिट्टी की उर्वरकता और संवहनीय आजीविका की जरूरतों के लिए पानी की उपलब्धता बड़ी आवश्यकता बन गयी है। इसके लिए वृहद स्तर पर बन रहे अमृत सरोवरों के कार्यों से एक बड़ा बदलाव अगले कुछ महीनों में जिले में दिखने लगेगा। बागडीह ग्राम पंचायत में बन रहा ऐसा ही एक अमृत सरोवर ग्रामवासियों को पीने के पानी, सिंचाई कार्यों और मवेशियों के लिए चारागाह विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

सिंगरौली

5

झाबुआ के जनजाति समुदाय के लिए उम्मीद का चिराग है अमृत सरोवर

पश्चिमी मध्यप्रदेश में स्थित जिला झाबुआ भील और भिलाला जनजाति बहुल क्षेत्र है। आदिवासी हस्तशिल्प खासकर बांस से बनी वस्तुओं, गुड़ियों, आभूषणों के लिए प्रसिद्ध यहाँ की धरती, हर साल सूखे की मार झेलती है। जिले की पेटलावद जनपद की ग्राम पंचायत हनुमंत्या में महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य मद से अमृत सरोवर का निर्माण किया जा रहा है। सरकार की यह पहल पूरे क्षेत्र के लिए मददगार है, इसलिए ग्रामीणजन भी सरोवर निर्माण के लिये आगे आ रहे हैं। आने वाले दिनों में डूब क्षेत्र के किनारों पर तीन पंक्तियों में वृक्षारोपण का कार्य किया जाएगा जिसकी प्रथम पंक्ति में शोभादार फूल वाले पौधे रोपित किये जाएंगे एवं द्वितीय पंक्ति में फलदार पौधे एवं तृतीय पंक्ति में छायादार पौधे जैसे बरगद, नीम, पीपल आदि का रोपण किया जाएगा। इस सरोवर से लगभग 13.44 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई में वृद्धि होने से अमृत सरोवर के उपयोगकर्ता समूह से जुड़े सदस्यों को लगभग 3 लाख रुपए राशि का लाभ होगा। इस क्षेत्र से जुड़ी विशिष्ट बातों की जानकारी भी यहां आने वाले पर्यटकों को मिल सकेगी।

झाबुआ

6

अमृत सरोवर में जंगल का राजा!

हमें तो लगता है इस अमृत सरोवर में हमें जंगल का राजा पानी पीते हुए दिखेगा! यह कहना है जिला मण्डला की ग्राम पंचायत मोचा के निवासियों का। जी हां, ग्राम पंचायत मोचा कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान से लगा हुआ है और यहीं निर्मित हो रहा है 'अमृत सरोवर'। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एक टाइगर रिजर्व है, जहां पर शेर के साथ ही अन्य जानवर जैसे भालू, बारासिंघा, विभिन्न प्रकार के पक्षी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। ग्राम पंचायत मोचा चारों ओर से घने जंगलों से घिरा हुआ है। इस जंगल के बीच निर्मित हो रहा लगभग **14000** घनमीटर क्षमता वाला अमृत सरोवर इस स्थान को और रमणीय बना रहा है। इसी कारण सरोवर निर्माण में ग्राम पंचायत मोचा के ग्रामीणों ने खुदाई मशीन के किराये के रूप में रु. **1.20** लाख का जन सहयोग दिया गया है। आजादी के **75**वें वर्ष में निर्मित हो रहा यह अमृत सरोवर, कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भारत के इतिहास को जानने का एक माध्यम बनेगा। इस सरोवर में **10** लाख मछली के बीज डाले जायेंगे जिससे **1** वर्ष मे **10000** कि.ग्रा. मछली प्राप्त होगी।

मण्डला

7

देश की सेवा में लगे जवान को समर्पित अमृत सरोवर

जिला रतलाम की माही नदी के पास स्थित रानीसिंग ग्राम पंचायत का खोवा (मावा) बहुत प्रसिद्ध है, जिसका विक्रय दाहोद (गुजरात) तक होता है। वैसाख की अमावस्या पर स्नान के लिये लोग दूर-दूर से माही नदी पर आते हैं। ग्राम पंचायत रानीसिंग को अमृत सरोवर के रूप में एक और ऐतिहासिक धरोहर मिलने वाली है। तालाब कार्य में देख रेख की भूमिका निभा रहे समूह द्वारा बताया गया कि हमारे गाँव के लिये यह सरोवर अमृत समान है। हम सभी गाँववासियों ने यह तय किया है कि तालाब को सीमा सुरक्षा बल (BSF) जवान श्री धर्मेन्द्र पिता कानजी मालीवाड़ को समर्पित किया जाए जो वर्तमान में जम्मू में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ग्रामीण कहते हैं कि सरोवर निर्माण के उपरांत हमारे कुओं का जल स्तर बढ़ने से फसल उत्पादन भी बढ़ेगा एवं खेती के उपयोग में आने वाले पशुओं की पेयजल समस्या का समाधान भी होगा। सरोवर निर्माण होने से हमारे समूह के कुछ सदस्य सब्जी उत्पादन शुरू करेंगे और मछली पालन का काम बढ़ाएंगे।

रतलाम

8

यही आज़ादी का अमृत महोत्सव है

जिला रायसेन की ग्राम पंचायत गढ़ी गोण्डवाना राजवंश का हिस्सा रही है। इस ऐतिहासिक स्थान पर निर्मित हो रहा 'अमृत सरोवर' इतिहास में एक और अध्याय जोड़ने को तैयार है। अमृत सरोवर के किनारे प्राचीनकाल से गढ़ी बनी हुई है। यहां पर ही श्री 1008 श्यामलदास जी महाराज हुये जिन्होंने इस स्थल का विकास किया। जीव जन्तुओं से इनकी अटूट दोस्ती की कहानी, यहां के स्थानीय लोग बताते हैं। ग्रामीणों ने यह सरोवर ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 श्यामलदास बाबा को समर्पित किया है।

सरोवर के उपयोगकर्ता दल के एक सदस्य बताते हैं कि हमारे पूर्वजों के समय से मछली पालन का व्यवसाय होता आ रहा है। इस अमृत सरोवर के बनने के बाद हमारे द्वारा इसमें मछली पालन का कार्य किया जायेगा। हमने इसकी तैयारियां अभी से कर ली हैं। अभी बरसाती नदी, नाले, पोखरों से अपने जीवन यापन के लिये भटक रहे थे। अब एक ही स्थान पर परिवार पालने का साधन मिल रहा है। यह सच्ची आज़ादी का अमृत महोत्सव है।

रायसेन

9

अमृत सरोवर – पारिस्थितिकी संतुलन का परिचायक

श्योपुर जिले की ग्राम पंचायत कलमी ककरधा के निवासियों को उस दिन का इंतजार है जब उनके गांव में निर्माणाधीन 'अमृत सरोवर' बारिश की अमृत बूंदों से लबालब होगा। उनकी आंखें साक्षी बनेंगी उस दृश्य की जब पक्षी अपनी प्यास बुझाते हुए गांव में कलरव करेंगे। सरोवर में पानी पीने आए उन पशुओं की झलक भी मिलेगी जो सिमटते जंगल के कारण कहीं ओझल हो गए। यह अमृत सरोवर पारिस्थितिकी संतुलन का बेहतर उदाहरण है। ग्राम कलमी के रामदेव बाबा के मंदिर के पास अमृत सरोवर का निर्माण होने से जन-समुदाय ने यह सरोवर रामदेव बाबा के मंदिर को समर्पित करने का निर्णय लिया है। सरोवर निर्माण में जनसहयोग के माध्यम से भी कार्य किया गया है। तालाब के कैचमेंट में पौधरोपण के कार्य लिए जाएंगे। अमृत सरोवर निर्माण से भू-जल एवं नलकूप के जलस्तर में वृद्धि होगी और लगभग 6 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा।

श्योपुर

10

संत श्री सिंगाजी को समर्पित अमृत सरोवर

जिला खण्डवा की ग्राम पंचायत सेल्दामाल का इतिहास बहुत पुराना है। इसमें निरगुणी संत श्री सिंगाजी के इतिहास के बारे में गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि 500 वर्ष पूर्व तक यहां इनका शासन था। उनकी पांचवीं पीढ़ी के अंतिम राजा श्री यशवंत राव जी द्वारा ग्राम सेल्दामाल में न्याय व्यवस्था के लिये कचहरी प्रारंभ की गई थी। ग्राम पंचायत सेल्दामाल जैसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल का चयन अमृत सरोवर निर्माण के लिए किया गया है। इस अमृत सरोवर का नाम श्री यशवंत राव जी के नाम पर रखा गया है। जंगल से घिरे इस क्षेत्र में जंगली जानवरों को 12 महीने पीने के लिए पानी की उपलब्धता इस सरोवर से होगी, जिससे जैवविविधता एवं पर्यावरण का संरक्षण भी होगा। अमृत सरोवर निर्माण से ग्राम सेल्दामाल के जल स्तर मे सुधार होगा, जिससे सिंचाई के संसाधनों में विस्तार होगा और ग्रामीणों को आर्थिक लाभ होगा।

खण्डवा

11

कायावरोहणेश्वर महादेव अमृत सरोवर - जन समुदाय की धार्मिक विरासत

महाकाल की नगरी कहे जाने वाले उज्जैन जिले के इतिहास में अमृत सरोवर के रूप में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। ग्राम पंचायत पिपलियाराघो में निर्मित हो रहा यह अमृत सरोवर ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के स्थान के रूप में विकसित किया गया है। यह अमृत सरोवर कायावरोहणेश्वर महादेव मंदिर के पास स्थित है। जनसमुदाय की इच्छा अनुसार इस अमृत सरोवर को 'कायावरोहणेश्वर महादेव' का नाम दिया गया है। ऐसी मान्यता है कि कायावरोहणेश्वर महादेव 84 महादेव में से 82वें स्थान पर आते हैं। पंचक्रोशी मार्ग पर होने से मंदिर का महत्व और बढ़ जाता है। यही वजह है कि यह अमृत सरोवर निर्माण होने के साथ ही जनसमुदाय की आस्था से जुड़ गया है। तालाब निर्माण में सफाई कार्य, ईंधन और पानी की पूर्ति में जनसमुदाय ने खुले हाथ से जन-सहयोग दिया है। तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए पथ निर्माण, पौधरोपण भी किये जायेंगे।

उज्जैन

12

शहीद को नमन कर रहा है कैमराकलां का अमृत सरोवर

शहीद श्री काशीराम रावत (पहलवान) को समर्पित अमृत सरोवर तालाब का निर्माण जिला मुरैना की कैमराकलां ग्राम पंचायत में हो रहा है। इस तालाब के बनने से आस-पास लगभग 22 बीघा जमीन सिंचित होगी। गाँव के वृद्धजनों का कहना है कि अभी तक हमारी जमीन में लगभग एक क्विंटल सरसों उपज होती थी, अब सिंचाई की सुविधा होने से सरसों की पैदावार में बढ़ोत्तरी होगी और साथ ही गेहूं की फसल भी होने लगेगी जिससे लोगों की आमदनी में वृद्धि होगी।

मुरैना

13

प्रकृति के पूजक आदिवासीजनों के लिए एक सौगात

स्व. श्री दशरथ सिंह गोण्ड की याद में समर्पित जिला शहडोल की बुढ़ार जनपद की सकरा ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन अमृत सरोवर से ग्रामीण भावनात्मक जुड़ाव महसूस कर रहे हैं। यह क्षेत्र गोण्ड जनजाति बहुल क्षेत्र है। पानी के संकट से जूझ रहे इस क्षेत्र में इस सरोवर के बन जाने से लगभग 25 एकड़ भूमि में सिंचाई का लाभ होगा और साथ ही भूजल स्तर में वृद्धि होगी। गाँव के आधे से अधिक परिवार आशान्वित हैं कि बरसात के बाद इस वर्ष उनकी फसलें मार नहीं खायेंगी। तालाब के कैचमेंट में पौधा रोपण के कार्य लिए जाएंगे। अमृत सरोवर निर्माण से भू-जल एवं नलकूप के जलस्तर में भी वृद्धि होगी।

शहडोल

14

याद रखे जाएंगे यह दानवीर

अलीराजपुर जिले की ग्राम पंचायत कनेरा के निवासी श्री गेन्दु रेमसिंह और हरसिंह लक्ष्मण यूं तो साधारण किसान हैं। पर दोनों ने अपने गांव के लिए कुछ ऐसा कर दिखाया है कि पीढ़ियां इनका नाम याद रखेंगी। अपने गांव में अमृत सरोवर निर्माण के लिए दोनों ने लगभग रु. 85000 कीमत की जमीन दान में दी है। इनका कहना है कि इसके निर्माण से सभी को फायदा होना है तो हमें अपनी जमीन जनसहयोग के रूप में दान देने में कोई आपत्ति नहीं है। इस कार्य से हमें भी लाभ होगा तथा अन्य किसान भाईयों को भी फायदा मिलेगा।

वर्तमान में इस क्षेत्र में पानी की बहुत कमी है। इस संरचना के निर्माण से काफी हद तक पानी की कमी की पूर्ति हो पायेगी। इसमें पानी रुकने के कारण आस-पास के हेण्डपम्प एवं कुओं के जल स्तर में सुधार होगा, सिंचाई हेतु समय पर पानी मिल पायेगा। साथ ही पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता होगी।

अलीराजपुर

15

सरोवर के तट पर शान से लहराएगा तिरंगा

यूँ तो तालाब निर्माण कई स्थानों पर होते हुए गाँववासियों ने देखे हैं, लेकिन शिवपुरी जिले की मसूरी ग्राम पंचायत के लोगों के लिए यह अमृत सरोवर एक अलग अनुभूति दे रहा है। गांव के बड़े-बूढ़े आश्चर्य में हैं कि गांव में जनता से परामर्श कर सरोवर निर्माण किया जा रहा है। जनभागीदारी में ग्रामीणजन श्रमदान कर रहे हैं। ग्राम के समृद्धजन द्वारा ट्रैक्टर व मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। सरोवर के पास **20X30** मीटर का ग्राउण्ड तैयार किया गया है, जिसमें ग्रामीणों के लिए लघु उद्यान विकसित किया जायेगा। ग्रामीणजनों ने निर्णय लिया है कि तालाब किनारे प्रतिवर्ष ध्वजारोहण किया जावेगा। पास ही में फ्लेग पोस्ट का निर्माण किया गया है।

सरोवर के उपयोगकर्ता समूह के सदस्यों ने बताया कि सरोवर के बनने से लगभग **79** हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा में प्रत्यक्ष वृद्धि होगी। जिससे फसल उत्पादन में दोगुनी वृद्धि हो जायेगी। कूपों के जलस्तर में वृद्धि होने से **12** माह कूप में पानी उपलब्ध रहेगा। ग्राम में पशुपालकों के लिये एवं वन्य प्राणियों के लिये बारहमासी पेयजल की व्यवस्था होगी।

शिवपुरी

16

समाज को राह दिखाने वाले समाजसेवी को समर्पित अमृत सरोवर

जिला मंदसौर की ग्राम पंचायत कोलवा में निर्माणाधीन अमृत सरोवर ग्रामवासियों ने स्व. श्री मोहनदास बैरागी को समर्पित किया है। गांव की शाला में पदस्थ श्री मोहनदास बैरागी शिक्षक ने ग्रामवासियों का सामाजिक एवं नैतिक सुधार प्रारंभ किया तथा उन्हें आपराधिक गतिविधियों, नशा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने हेतु प्रेरित किया। श्री बैरागी ने अपना संपूर्ण जीवन परोपकार करते हुए यहाँ तक की अपने वेतन को भी समाजसेवा में समर्पित कर दिया। कोलवा में उन्होंने श्री श्याम कुटिया की स्थापना की। अंतिम सांस तक वहीं निवासरत होकर ग्रामवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहे। यही कारण है कि गाँव में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर की धरोहर को ग्रामवासियों ने स्व. श्री मोहनदास बैरागी को समर्पित किया है। प्रधानमंत्री जी द्वारा अमृत सरोवर तालाब निर्माण की घोषणा के बाद ग्राम पंचायत द्वारा इंजीनियरों से संपर्क किया गया। इंजीनियर के सर्वे द्वारा स्थल उपयुक्त पाया गया। इस तालाब में **16100** घनमीटर जल भराव की क्षमता रहेगी, इससे **10** कुओं का जल स्तर बढ़ेगा ही साथ में बंजर भूमि भी सिंचित हो सकेगी। अमृत सरोवर कृषकों के लिए वरदान साबित होगा।

मन्दसौर

17

अमृत सरोवर के तट पर गूंजा! हर-हर महादेव

जैन तीर्थ बावनगजा के लिए प्रसिद्ध जिला बड़वानी सतपुड़ा और विंध्याचल पर्वत श्रेणियों को समाहित करते हुए मां नर्मदा के उत्तर में स्थित है। जिले की जनपद पंचायत ठीकरी की ग्राम पंचायत चीचली में अमृत सरोवर का कार्य प्राचीन शिव मंदिर की पहाड़ी के पास प्रारंभ हुआ। सरोवर के संदर्भ में चर्चा करते हुए ग्रामवासी बताते हैं कि इस सरोवर से हमारे खेतों में नमी बनी रहेगी, भूजल रिचार्ज से आसपास के कुएं और बोरवेल रिचार्ज होंगे जिससे पेयजल की समस्या हल होगी। पशुओं को भी पानी मिलेगा। काफी बड़े क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा विकसित होगी एवं ग्राम में चल रहे निर्माण कार्य के लिए पानी हेतु इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। अमृत सरोवर के अंतर्गत किए जा रहे वृक्षारोपण से पर्यावरण को भी लाभ होगा, साथ ही हमारे प्राचीन शिव मंदिर का सौंदर्य भी बढ़ेगा, जिससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यह सरोवर न केवल हमारी धार्मिक आस्थाओं को पल्लवित करेगा वरन ग्रामीण जीवन को भी सरल और सुगम बनाने में मदद करेगा।

बड़वानी

18

स्वर्णिम इतिहास में जुड़ रहा है नया नाम

अपने स्वर्णिम इतिहास के लिए प्रसिद्ध ग्वालियर जिले की ग्राम पंचायत कैथोरा सिंध नदी से लगी हुई पंचायत है, जहां पर खेरापति सरकार का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर है। इस स्थान को मन्नत पूर्ण हनुमान मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर दर्शन करने दूर-दराज से लोग आते हैं। इस पावन स्थान का चयन अमृत सरोवर निर्माण के लिए किया गया है। जंगल के रास्ते से आने वाले नाले से बारिश का पानी अनुपयोगी होकर बह जाता था। अब अमृत सरोवर का निर्माण होने से आस-पास के खेतों में लगभग 22 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। मछली पालन से भी लगभग 100 क्विंटल मछली उत्पादन होने की संभावना है।

ग्वालियर

19

सब जुडेंगे, तब बदलेगी तस्वीर!

टीकमगढ़ जिले के डूमवार ग्राम पंचायत के निवासी तेज गर्मी में भी हर्ष और जोश के साथ सरोवर निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। कारण पूछने पर बताते हैं कि यह संरचना गाँव के अधिकांश परिवारों के लिए पानी की उपलब्धता और कृषि कार्यों के लिए मददगार साबित होगी। बरसात से पहले उसे पूर्ण कर लेने का लक्ष्य रखते हुए पंचायत सदस्य, आम-जन और प्रशासन टीम संरचना निर्माण की ओर समर्पित है। पानी के संकट का एक लम्बा इतिहास जिले में रहा है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हुई पहल से इस गाँव की पहचान में एक और कड़ी जुड़ रही है और यह संभव हुआ है अमृत सरोवर निर्माण से। सरोवर से 10 से अधिक उपयोगकर्ता समूह जुड़े हुए हैं।

टीकमगढ़

20

अमृत सरोवर के तट पर लगेंगे मेले

जिला धार की ग्राम पंचायत शिकारपुरा से 6 कि.मी. की दूरी पर प्रसिद्ध प्राचीन बखत बली बाबा का मंदिर है। यहां हर वर्ष भागवत कथा और कलश यात्रा और भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में अन्य क्षेत्रों से श्रृद्धालुओं का आगमन होता है। यहां पर 13500 घनमीटर क्षमता का अमृत सरोवर का निर्माण होने से क्षेत्रवासियों में हर्ष और उल्लास व्याप्त है। अमृत सरोवर के निर्माण से ग्रामवासियों एवं पशुओं के पीने हेतु पूरे वर्ष पानी उपलब्ध होगा। आस-पास के क्षेत्र में भूजल स्तर बढ़ने से पूर्व से निर्मित 12 कुओं और 5 ट्यूबवेल से पीने योग्य पानी पूरे वर्ष उपलब्ध होगा। तालाब से 17 किसानों द्वारा सिंचाई कर गेहूं, मूंग एवं हरी सब्जियों का उत्पादन किया जावेगा। जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी एवं ग्राम में ही ताजा हरी सब्जी की उपलब्धता होगी। ग्रामीणों ने इस सरोवर को गांव के समाजसेवी रहे स्व. सुखराम हरी को समर्पित किया है।

धार

21

संस्कृतियों के संगम में - सरोवर की कड़ी का जुड़ाव

कटनी नदी पर बसा जिला कटनी तीन अलग-अलग राज्यों महाकौशल, बुंदेलखण्ड और बघेलखण्ड की संस्कृति का संगम है। जिले में निर्मित हो रहे सरोवरों में से एक है इमलिया पंचायत का अमृत सरोवर। नर्मदा नदी का क्षेत्र होने के कारण यह क्षेत्र सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयुक्त है। गाँव में संचालित महिला समूह के सदस्य इस अमृत सरोवर में सिंघाड़ा उत्पादन की योजना बना चुके हैं। अगले दो माह में वो इस कार्य को शुरू कर देंगे। अमृत सरोवर से भू-जल में सुधार होगा और अन्य जलस्रोत रि-चार्ज होंगे। जिले की जीवनधारा कही जाने वाली कटनी नदी की शान में यह अमृत सरोवर चार चांद लगाएगा।

कटनी

22

हरियाली बढ़ाने आगे आये अनुभवी हाथ

प्रदेश के दक्षिण भू-भाग में जिला खरगोन के बलसगाँव ग्राम पंचायत में मिशन अमृत सरोवर के तहत सरोवर निर्माण से एक नई ऊर्जा का संचार हो चुका है। सरोवर निर्माण कार्य में जुड़े महिला समूह सदस्यों का कहना है कि इसके निर्माण से गाँव में पानी की पर्याप्त रोक होगी और इसका उपयोग सिंचाई, पशुओं के पीने के पानी की व्यवस्था के साथ-साथ मछली पालन कार्य के लिए किया जाएगा। गाँव के वृद्धजन इस तालाब के स्थान पर हरियाली बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे लगाने में भूमिका निभाएंगे। जिले में निर्मित हो रहे सभी अमृत सरोवर तालाबों का नाम स्थानीय प्रेरक घटनाओं और सम्मानितजनों के नाम पर रखा जा रहा है।

खरगोन

23

मिल गई संजीवनी

पानी जीवन है, जीवन में खुशहाली का आधार है। यह कहना है जिला जबलपुर के विकासखण्ड शहपुरा के ग्राम सोसरी में बन रहे अमृत सरोवर उपयोगकर्ता दल मां नर्मदा समूह के सदस्यों का। उनका विश्वास है कि यह सरोवर हमारे जीवन की दशा और दिशा दोनों बदलेगा। मध्यप्रदेश शासन का आभार व्यक्त करते हुए समूह के सभी 11 सदस्यों ने बताया कि इस सरोवर से हमारी 18.79 हेक्टेयर भूमि सिंचित होने से कृषि उपज में वृद्धि होगी जिसके फलस्वरूप प्रतिवर्ष लगभग रुपए 14.95 लाख की आय होगी। आय बढ़ने से जीवन स्तर में सुधार होगा, जिससे परिवारों में शिक्षा का स्तर बढ़ेगा और बीमारों का इलाज कराने के लिये परिवार आर्थिक रूप से सक्षम हो सकेंगे। अमृत सरोवर का निर्माण ग्रामीणों के लिए सच में अमृत रूपी संजीवनी के समान है।

जबलपुर

24

गोण्ड राजवंश की धरती होगी सुशोभित

जिला मण्डला की ग्राम पंचायत इमलीटोला में निर्मित हो रहा अमृत सरोवर जितना रमणीय है, इस क्षेत्र का इतिहास उतना ही रोचक है। जबलपुर का गढ़ा क्षेत्र और नरसिंहपुर जिले का चौरागढ़ गोण्ड राजाओं की राजधानी हुआ करती थी। सन् 1651 में पहाड़ सिंह बुंदेला ने चौरागढ़ पर हमला कर इसे अपने अधिकार में ले लिया। तत् समय गोण्ड राजा हृदय शाह का शासन था। इस स्थिति में राजा हृदय शाह ने मण्डला जिले में जंगलों के बीच सुरम्य वातावरण और पवित्र नर्मदा नदी के किनारे रामनगर में अपनी राजधानी बनाई। उस समय भवनों का निर्माण चूने और गुड़ का गारा बनाकर किया जाता था। प्रति वर्ष गोण्ड समाज से जुड़े हजारों लोग और पर्यटक यहाँ पर आयोजित होने वाले सामाजिक मड़ई मेले में शामिल होते हैं। यहां बन रहा सरोवर नये आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

मण्डला

25

दूर तक खुशियाँ पहुंची, सरोवर से जागी आस

पन्ना जिले के दूरस्थ क्षेत्र में कलदा पहाड़ भूभाग में स्थित है कलदा ग्राम पंचायत। यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। पहाड़ के ऊपर स्थित होने से जल की उपलब्धता भी सहज नहीं थी, जिससे खेती प्रभावित होती थी और आमदनी के साधन भी बहुत सीमित रहे। अमृत सरोवर के निर्माण होने से ग्रामीणों के लिए जल उपलब्धता सहज होगी इस सरोवर से लगभग 20 हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। जल स्तर में वृद्धि होने से हेण्डपंपों में पानी रहेगा। उपयोगकर्ता समूह द्वारा सिंघाड़ा उत्पादन की योजना बनाई गई है। ग्रामीणों को सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि लंबे समय से सूखे की मार झेल रहा यह क्षेत्र सिंचित हो सकेगा जिससे निश्चित रूप से छोटे किसानों को बहुत राहत मिलेगी।

पन्ना

26

यह तालाब अमृत तुल्य होगा

जिला विदिशा के सिरोंज विकासखंड की ग्राम पंचायत निकान में 14000 घनमीटर जल संचय क्षमता के अमृत सरोवर के निर्माण का कार्य लिया गया है। ग्राम पंचायत के वासी कहते है कि यह तालाब कृषि आधारित आजीविका को सशक्त करने के साथ ही, आम जन को पीने के पानी, सिंघाड़ा उत्पादन, मछली पालन के काम में आएगा। सरोवर के जल से गाँव में पहले से निर्मित जलस्रोतों में मजबूती मिलेगी। ग्रामवासियों का कहना हैं कि उनके गाँव में बन रहे इस तालाब से बड़ा बदलाव होगा। तालाब निर्माण कार्य को सुन्दर ढंग से करने और संरचना के समुचित देखभाल की ओर ध्यान देने का मन सभी ग्रामवासी बना चुके हैं।

विदिशा

27

अमृत सरोवर के भगीरथ

कहते हैं कि मैं तो अकेला चला था लोग मिलते गए और कारवां बनता गया। ऐसा ही कुछ हुआ जिला इंदौर में बन रहे अमृत सरोवर में। सरोवर निर्माण में यहां के एक ग्रामीण ने जहां एक ओर 30 ट्राली मिट्टी निकालने में निःशुल्क सहयोग दिया, दूसरी ओर रु. 15000 का वित्तीय सहयोग भी प्रदान किया। इस अमृत सरोवर से किसानों की न्यूनतम 9.33 हेक्टेयर असिंचित भूमि सिंचित होगी। इसके साथ-साथ आसपास के कुएं और बोरवेल रिचार्ज होंगे। पेयजल की आपूर्ति होगी। पशुओं के लिए भी पेयजल उपलब्ध होगा। क्षेत्र के भूजल स्तर में भी आशातीत वृद्धि होगी। ग्रामवासी कहते हैं कि अमृत सरोवर शासन के द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है, जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित होंगे।

इंदौर

28

जनभागीदारी ने सपना किया साकार

महाराजा भीम सिंह राणा और क्षत्र सिंह राणा द्वारा स्थापित संस्कृति एवं जनमानस की आस्था का महत्वपूर्ण केन्द्र दंदरौआ सरकार का क्षेत्र जिला भिण्ड पूरे प्रदेश में अपनी अलहदा पहचान रखता है। ग्राम खतौली में जनसहयोग एवं जनभागीदारी का अद्‌भुत कार्य अमृत सरोवर योजना में हुआ है। योजना अंतर्गत गठित समूह ने अमृत सरोवर निर्माण में लगभग रु. 5000 के श्रमदान से अमृत सरोवर की पडल भराई का काम किया है। साथ ही रु. 45000 का डीजल की व्यवस्था जनसहयोग से की गई। सरोवर की अपस्ट्रीम में जंगल की सफाई का कार्य जनभागीदारी से किया गया। कार्य हेतु पानी की उपलब्धता भी जनभागीदारी से पूर्ण की गई। जल संरक्षण के प्रति इस प्रकार की संवेदनशीलता ना केवल वर्षा जल को सहेजेगी वरन संरचना को भी लंबे समय तक बरकरार रखेगी, अमृत सरोवर से प्राप्त जल कृषि उपज में वृद्धि करेगा साथ ही जल संग्रहण से जीवन को आसान बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जन-सहभागिता का यह प्रयास निश्चित ही अनुकरणीय है।

भिण्ड

29

चमकेगी रामनरेश के फूलों की दुकान

ग्राम पंचायत भरसूला दतिया जिले के पश्चिम दिशा में स्थित है। ग्राम पंचायत भरसूला के पास पहाड़ी पर सिद्धेश्वर भगवान का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। ग्राम में तीन प्राचीन मंदिर है जिनका कायाकल्प ग्राम विकास समिति के माध्यम से कराया गया है। ग्राम पंचायत में निर्मित हो रहे **12000** घनमीटर के अमृत सरोवर ने मंदिर समिति के सदस्य एवं ग्रामीणों में नए उत्साह का संचार किया है। इन लोगों का मानना है कि तालाब निर्मित होने से यह क्षेत्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। जिससे मंदिरों के आसपास रमणीयता बढ़ने से लोकप्रियता और बढ़ेगी। यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ना स्वाभाविक है, इसलिये मंदिर के पास फूल की दुकान लगाने वाले रामनरेश कहते हैं कि तालाब के बनने से वह अपने व्यापार में वृद्धि की ओर आशान्वित हैं कि ग्रामीणों ने यह तालाब गांव के समाज सुधारक स्व. श्री घनसुन्दर सिंह रावत को समर्पित किया है।

दतिया

30

हमने मन में ठानी है, अब रोकना पानी है

हमारे पास पूर्वजों या स्वयं की अधिक कृषि भूमि नहीं है, इसलिये कम भूमि पर अधिक उत्पादन लेने की अभिलाषा हमें इस संरचना से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। जिला गुना की ग्राम पंचायत राई में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर के उपयोगकर्ता समूह के सभी सदस्य ग्राम में निवास कर कृषि एवं कृषि आधारित अन्य कार्यों से जीवन यापन करते हैं। ग्रामीणों को पूरा भरोसा है कि अमृत सरोवर निर्माण से उन्हें बागवानी खेती, फल एवं सब्जियों का उत्पादन करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकेगी। इस क्षेत्र में बड़े स्तर पर पशुपालन किया जाता है। अमृत सरोवर निर्माण से पशुओं के लिए नियमित रूप से पीने के पानी की व्यवस्था हो सकेगाी। गांव में संरचना स्वीकृत होने के बाद जनसहयोग के लिये प्रशासन को अधिक मेहनत की आवश्यकता नहीं पड़ी। ग्रामीणजन स्वेच्छा से जनसहयोग देने के लिये तत्पर हुये।

गुना

31

जब जन-जन साथ आ जाएं तो कोई भी काम बड़ा नहीं लगता

जिला उमरिया के डोडका ग्राम पंचायत के समाजसेवी के इस कथन से साफ झलकता है कि ग्रामीणों में अमृत सरोवर को लेकर कितना उत्साह भरा हुआ है। वह आगे कहते हैं कि इस काम के लिए सभी ग्रामीणों के द्वारा बढ़-चढ़ कर भाग लिया जा रहा है। जन भागीदारी का बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ग्रामीण यथासंभव योगदान दे रहे हैं, जैसे कि ट्रैक्टर डीजल खर्च, श्रम कार्य आदि। तालाब को दर्शनीय बनाने के लिए अमृत सरोवर के आस-पास 100 फलदार एवं सजावटी पौधों के पौधारोपण करने का संकल्प लिया गया है। हर वर्ष जनसहयोग से मरम्मत कार्य किया जायेगा, जिससे सरोवर की सुंदरता और उपयोगिता बनी रहे।

प्रधानमंत्री जी के आह्वान से शुरू मुहिम से जुड़कर ग्रामीणों को बहुत खुशी हुई है।

उमरिया

32

प्रकृति के बीच सरोवर की छटा

प्रकृति ने जिला छिंदवाड़ा को असीम हरियाली एवं वनस्पति से परिपूर्ण बनाया है। ग्राम पंचायत आंचलकुण्ड में अमृत सरोवर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब उपयोगकर्ता समूह के सदस्यों को इंतजार है बारिश की अमृत बूंदों का, ताकि वह इस सरोवर में मछली पालन का काम प्रारंभ कर सकें। ग्राम आंचलकुण्ड का नाम यहां पर कूदनी नदी में प्राकृतिक रूप से निर्मित कुण्ड के नाम पर पड़ा है। इस कुण्ड में मकर संक्रांति एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान स्नान किया जाता है एवं दादा धूनीवाले का दरबार भी है। अमृत सरोवर के आस-पास नवीन 625 पौधरोपण किया जायेगा, जो इस अमृत सरोवर को और आकर्षण देंगे।

छिंदवाड़ा

33

गांव की महिलाओं की आकांक्षाओं से जुड़ा अमृत सरोवर

बैतूल जिले की ग्राम पंचायत असाड़ी में निर्मित किया जा रहा अमृत सरोवर आजीविका स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए मात्र एक तालाब नहीं है। यह सरोवर जुड़ा हुआ है उनके सपनों से, उनकी आकांक्षाओं से। आजीविका स्व-सहायता समूह इस अमृत सरोवर से जुड़ा हुआ एक उपयोगकर्ता समूह है। समूह द्वारा माह जुलाई से जनवरी तक सरोवर में मछली उत्पादन किया जावेगा। समूह को आशा है कि प्रथम वर्ष में लगभग 100 क्विंटल मछली का उत्पादन होगा। यह समूह सरोवर के आसपास फलदार पौधे और सब्जी का उत्पादन भी करेगा।

सरोवर निर्माण में जन-सहयोग से लगभग 6 लाख रुपए राशि का सहयोग प्राप्त हुआ है। सरोवर को लेकर आम-जन में काफी उत्साह है, क्योंकि इससे लगभग 60 परिवारों को पीने के लिए और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। सरोवर के आस-पास के क्षेत्र को पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि स्थानीय लोग पर्यटन का लाभ भी ले सकें।

बैतूल

34

कुछ यूं पूरी हुई ग्राम पंचायत लिधारी के ग्रामीणों की मन्नत

नरसिंहपुर जिले की ग्राम पंचायत लिधारी में 200 वर्षों से सिद्ध बाबा विराजमान हैं। ग्रामीणों द्वारा सिद्ध बाबा से जल समस्या के समाधान के लिए प्रार्थना की जाती रही है। आज़ादी के 75वें वर्ष में ग्रामीणों को अमृत सरोवर के रूप में मिल रहे उपहार से, ग्रामवासियों में खुशी का माहौल है। अमृत सरोवर निर्माण की घोषणा होते ही परम्परा अनुसार ग्रामीणों ने सिद्ध बाबा के नाम पर प्रसादी वितरण किया और सरोवर सिद्ध बाबा को ही समर्पित किया गया है।

अमृत सरोवर तालाब निर्माण प्रारंभ होने से ग्रामवासियों में अभूतपूर्व उत्साह का संचार हुआ है। महिलाओं द्वारा जल संचय के लिए जागरूकता रैली भी निकाली गई। उपयोगकर्ता समूह पूरी तैयारी में हैं, जैसे ही तालाब में पानी भरेगा, मछली पालन कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। इस गतिविधि से उन्हें आर्थिक लाभ के साथ-साथ महिलाओं एवं बच्चों को पौष्टिक आहार भी मिलेगा।

नरसिंहपुर

35

जीवन का अमृत है पानी

कहते हैं कि धरती पर कहीं नौ ग्रह एक साथ हैं तो वह जगह है खरगोन। पुण्य सलिला मां नर्मदा के आशीर्वाद से जिला अपनी मिर्च के लिए पूरे भारत में अपनी एक अलहदा पहचान रखता है। धरती पर पानी अमृत के समान है, इसी पानी को सहेजने के लिए शासन की महत्वपूर्ण योजना अमृत सरोवर का क्रियान्वयन जिला खरगोन के ग्राम पंचायत अकावल्यो गुग में प्रारंभ हुआ। अमृत सरोवर के संबंध में ग्राम के सरपंच बताते हैं कि इस विशाल अमृत सरोवर में मत्स्य पालन एवं सिंघाड़ा उत्पादन जैसी गतिविधियों को भी किया जाएगा। अमृत सरोवर से उपलब्ध होने वाला जल गांव के एक बड़े क्षेत्र को सिंचित करेगा। इससे उपलब्ध हो रही नमी भी खेतों में उपज को बढ़ाएगी। पानी की उपलब्धता से भूजल रिचार्ज भी बढ़ेगा और पेयजल की चुनौतियों से भी ग्रामीण मुकाबला कर पाएंगे। पशुओं के लिए भी पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। भू-जल रिचार्ज से कुएं और बोरवेल भी रिचार्ज होंगे। सरोवर निर्माण में जनभागीदारी भी प्राप्त हुई है। ग्राम में पानी को सहेजने, संभालने और उसे विकसित करने की भावना का विकास भी इस अमृत सरोवर योजना के माध्यम से हुआ है।

खरगोन

36

मन को भाता है अमृत सरोवर

मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में बहने वाली धसान नदी का उद्गम स्थल रायसेन जिले की ग्राम पंचायत मरखण्डी में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर से 1.50 कि.मी. की दूरी पर है। प्राचीन काल में दशर्णा नदी के नाम से जाने वाली इस नदी की लंबाई 365 कि.मी. है। 240 कि.मी. मध्यप्रदेश में एवं 71 कि.मी. उत्तर प्रदेश में बहने वाली इस नदी के उद्गम स्थल दशरथी पहाड़ी का दृश्य मन को छूने वाला है। इस नदी पर ही लहचुरा बांध का निर्माण किया गया है। इस सुंदर स्थान में चार चांद लगा रहा है अमृत सरोवर। सरोवर के उपयोगकर्ता दल के एक सदस्य ने बताया कि उनके पास दो एकड़ सरोवर से लगी हुई असिंचित जमीन है, इस सरोवर के निर्माण से वह तीन फसल लेंगे जबकि अभी बमुश्किल दो ही फसल ले पा रहे थे। इस सरोवर से उपयोगकर्ता समूह को 02 से 03 गुना अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा।

रायसेन

37

विलुप्ति की कगार पर पहुंचे जीव-जंतुओं के संरक्षण को संबल

गुना जिले की रसूल्लीकला ग्राम पंचायत में पशु-पक्षियों जैसे गोरैया, मोर, चिड़िया, तोता, बन्दर, हिरण आदि के लिए पानी का संकट पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है। इन कठिन परिस्थितियों में जब गाँव समुदाय को मिशन अमृत सरोवर के बारे में जानकारी मिली तो उनके द्वारा उत्साह के साथ इसके निर्माण में भागीदारी की गई और अधिक से अधिक जनसहयोग के लिए तत्पर हुए। गाँव की महिलाओं का कहना है कि हम सब कृषि आधारित कार्यों से अपना भरण पोषण करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हमारे पूर्वजों से मिली कोई भूमि नहीं हैं और वर्तमान में बहुत छोटी जमीन खेती के लिए उपयोग करते हैं। आने वाले दिनों में ये सरोवर आने वाली पीढ़ी, जैव-विविधता, पशु एवं पक्षी और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए आधार तय करेगा।

गुना

38

शहीद मेजर को रीवा की धरती का नमन

शहीद मेजर आशीष कुमार दुबे का जन्म 8 जुलाई 1973 को मध्यप्रदेश के रीवा जिले में हुआ था। 6 मई 2003 को जम्मू-कश्मीर के राजौरी क्षेत्र में घुसपैठियों से लड़ते हुए वह शहीद हो गए। सैनिक स्कूल रीवा में पढ़ते हुए रीवा शहर में पले-बढ़े मेजर दुबे वर्ष 1992 में स्कूल से पास-आउट हो गए। जल्द ही इसके बाद वर्ष 1992 में ही उनका चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में हो गया। पूरा क्षेत्र रीवा के इस बेटे को नमन एवं श्रद्धांजलि देता है। रीवा जिले की ग्राम पंचायत सथिनी में निर्मित अमृत सरोवर निर्माण के रूप में। इस अमृत सरोवर का नाम शहीद मेजर आशीष कुमार दुबे के नाम पर रखा गया है। यह सरोवर गांव के 200 परिवारों की पानी की पूर्ति का महत्वपूर्ण साधन बनेगा।

रीवा

39

मयूर नृत्य देखने को आतुर नैन

जिला नर्मदापुरम की ग्राम पंचायत मोरपानी में वर्षों पहले बड़ी संख्या में मोर पक्षी का आवास हुआ करता था। लेकिन संरक्षण कार्यों के अभाव में उनका आवास जाता रहा। धीरे-धीरे लोगों में कभी उनके वापस आने और गाँव की सीमा में फिर से वास करने की उम्मीद भी धूमिल हो गई। लेकिन जब से सरोवर निर्माण होने की गाँव में खबर पहुंची और काम शुरू हुआ तब से ग्रामीणों ने उम्मीद करना शुरू किया है कि तालाब के निर्माण हो जाने संभवतः फिर से पक्षियों के लिए वास निर्मित होगा।

नर्मदापुरम

40

जब आदिवासी परिवारों को समझ आया सरोवर का महत्व

जिला सीधी की ग्राम पंचायत खजूरिहा में अमृत सरोवर का निर्माण किसी चुनौती से कम नहीं था। यह तालाब कृषि विभाग की भूमि के उस भाग में निर्मित किया है जहां पर **08** आदिवासी परिवार **05** एकड़ शासकीय भूमि पर काबिज थे। इन सभी को समझाया गया कि इस भूमि में खेती से कोई विशेष उत्पादन नहीं होता है और न ही कोई विशेष आमदनी। इस **05** एकड़ में सरोवर निर्मित किया जाए और मछली पालन करें तो प्रत्येक परिवार को सालाना **01-01** लाख की आमदनी होगी। इस प्रकार समझाने पर सभी परिवार सहमत हुए और **05** एकड़ क्षेत्र में तालाब निर्मित हुआ। इन परिवारों को मछली पालन के लिए प्रशिक्षण और मछली बीच भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

यह तालाब वन क्षेत्र के समीप राजस्व भूमि में निर्मित है। गर्मी के दिनों में जल संकट के चलते वन्य प्राणी और ग्रामवासियों को पानी के लिए भटकना पड़ता था। अमृत सरोवर के निर्माण से सुलभ्यता से जल आपूर्ति हो सकेगी।

सीधी

41

अमृत सरोवर को मिला संत का आशीर्वाद

समाज को दिशा देने में संत, फकीर, पीर और संन्यासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे ही एक संत पीर महाराज के नाम से ग्राम हिनोतिया पीरान जाना जाता है। ग्राम हिनोतिया पीरान एक धार्मिक महत्व का स्थान है, जो मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की ग्राम पंचायत बर्राई में है। ग्राम में 36000 घनमीटर का विशाल अमृत सरोवर का निर्माण किया जा रहा है। सरोवर निर्माण से लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा में वृद्धि होगी। मछली पालन एवं सिंघाड़ा उत्पादन नकदीय फसलें होने से अतिरिक्त आजीविका सृजित होगी। अमृत सरोवर के सौंदर्यीकरण के लिये बांध के डाउन स्ट्रीम में और ऊपरी सतह पर घास लगाई जावेगी। बांध के ऊपरी सतह पर बैठने हेतु कुर्सी एवं पाथ-वे बनाया जायेगा।

भोपाल

42

निराशा में आशा की किरण
अमृत सरोवर

जिला बालाघाट के विकासखण्ड बिरसा का नाम जल, जंगल, जमीन और स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले भगवान बिरसा मुण्डा के नाम पर रखा गया है। बिरसा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गुदमा में निर्मित हो रहा अमृत सरोवर यहां के जनजाति समुदाय के लिए वरदान है। अमृत सरोवर के उपयोगकर्ता समूह में से एक स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा इसमें मछली पालन किया जाएगा। समूह के सदस्य कहते हैं कि ग्राम पंचायत गुदमा में पहले मछली पालन करने के लिए कोई स्रोत उपलब्ध नहीं था। सरोवर निर्माण से मछली पालन का कार्य आसानी से किया जा सकता है। समूह ने इस वर्ष 35 क्विंटल मछली पालन का लक्ष्य रखा है। जिनसे उन्हें 3.6 लाख रुपये की आमदनी होने की आशा है।

बालाघाट

43

जीवन की समृद्धता में पानी है प्रधान

विकास के चक्र में पानी का अतुलनीय योगदान है। पानी के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। जहां एक ओर पानी ने जीवन देने का काम किया है। वहीं दूसरी ओर मनुष्य के जीवन को समृद्धता भी प्रदान की है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पानी का अत्यधिक महत्व है। इसी पानी को सहेजने के उद्देश्य से जल संरचनाओं का निर्माण लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला भोपाल की जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायत गुनगा में **40250** घनमीटर संधारण क्षमता के अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। सरोवर के उपयोगकर्ता समूह बताते हैं कि इस सरोवर से **40** से **45** हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मछली पालन भी इस तालाब में होगा जिससे ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध होगा। इस अमृत सरोवर से लगभग **50** परिवार सीधे लाभान्वित होंगे।

भोपाल

44

अभेद किले से जुड़ी महिला नेतृत्व की पहचान

असीरगढ़ किला जिला बुरहानपुर में 20 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में सतपुड़ा पहाड़ियों के शिखर पर स्थित है। यह किला आज भी अपने वैभवशाली अतीत की गुणगाथा मुक्त कंठ से कर रहा है। इसकी गणना विश्व विख्यात किलों में होती है, जो दुर्भेद और अजेय माने जाते थे। इस किले पर विजय प्राप्त करने के पश्चात् दक्षिण का द्वार खुल जाता था और विजेता का सम्पूर्ण खण्ड क्षेत्र पर आधिपत्य स्थापित हो जाता था। इसी गौरवमय इतिहास की कड़ी में ग्राम पंचायत असीर की महिलाओं ने अगुवाई करते हुए गाँव में जल की उपलब्धता और बढ़ते जल संकट से पार पाने के लिए अमृत सरोवर का निर्माण करवाया है, जो सैकड़ों किसानों और परिवारों के लिए भविष्य में उपयोगी होगा।

बुरहानपुर

45

अहिंसा, तप, संयम आदि गुणों को चरितार्थ करेगा अमृत सरोवर

ग्राम सगौरिया में, जैन समाज का आदिनाथ जी का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में दर्शन हेतु दूर-दूर से दर्शनार्थी आते हैं। यहां पर जैन मुनि विद्यासागर जी महाराज पधार चुके हैं। आदिनाथ मंदिर में पर्यूषण पर्व पुराने समय से जैन समुदाय द्वारा बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया जाता है। नरसिंहपुर जिले में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर को बनाने में समुदाय द्वारा अथक परिश्रम, श्रमदान और कार्य स्थल के निरीक्षण में भागीदारी की गई है। जिसका परिणाम यह है कि जल स्तर में बढ़ोतरी होने से कुल **100** घरों में पानी की बेहतर पहुँच होगी।

नरसिंहपुर

46

बहादुर शहीद की यादों को मूर्त रूप दिया

जिला मुरैना के ग्राम पंचायत जोहां के निवासी उस क्षण को याद करते हुए भावुक हो जाते हैं जब कैप्टन वीर नारायण सिंह के शहीद होने की हृदय-विदारक सूचना उन्हें मिली थी। ग्रामवासियों ने उनकी याद को सदैव अपने दिलों में संजोकर रखी हैं। कहते हैं कि विचारों को मूर्त रूप दे पाना ही सफलता है, उसी कड़ी में ग्रामीणों ने शहीद वीर नारायण सिंह की यादों को एक सजीव रूप में ढालने का प्रण लिया, ताकि हमेशा के लिए गाँव और ग्रामवासियों की स्मृति में उनकी एक अमिट छाप रहे। शहीद कैप्टन वीर सिंह को समर्पित किया गया है ग्राम पंचायत जोहां का अमृत सरोवर। पंचायत में बन रहे अमृत सरोवर के कार्य का लाभ ग्रामवासी पेयजल और सिंचाई कार्यों के लिए करेंगे।

मुरैना

47

जल का संरक्षण हमारा कर्तव्य

प्राकृतिक संसाधनों के विकास एवं प्रबंधन ने मानवीय जीवन को सहज, सरल और समृद्ध किया है। पानी सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसी प्राकृतिक संसाधन को संभालने और विकसित करने की कड़ी में अमृत सरोवरों का निर्माण एक महत्वपूर्ण कदम है। यही कदम जिला दमोह के जनपद पंचायत बटियागढ़ की ग्राम पंचायत खिरिया असली (नारायणपुरा) ने उठाया है। यहां **10500** घनमीटर के अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। यह अमृत सरोवर श्री नत्थू सिंह भूतपूर्व सरपंच के महत्वपूर्ण सामाजिक योगदान के कारण उन्हें समर्पित किया गया है। इस अमृत सरोवर से न केवल क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विकास होता है, बल्कि क्षेत्र की जलवायु में भी सुधार आयेगा। साथ ही **50** से **60** परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। अमृत सरोवर का निर्माण पूर्ण होने पर इसमें **25** से **30** क्विंटल मछली का उत्पादन होने की संभावना है। जिससे समूह के लिए लगभग **5.00** से **5.50** लाख रुपये की अतिरिक्त आमदनी होगी।

दमोह

48

अन्नदाता को समर्पित अमृत सरोवर

अन्नदाता किसान ही अपना खून पसीना एक कर जमीन से अनाज उपजाता है। इसलिए जिला बड़वानी की ग्राम पंचायत बकवाड़ी में निर्मित अमृत सरोवर को मालनदेव किसान समूह को समर्पित किया गया है। यह समूह गांव में कृषि उपज एवं किसान सहायता से संबंधित गतिविधियों में संलग्न हैं। इस गांव में पहले जल संग्रहण का कोई साधन नहीं था और जितने भी कुएं या बोर हैं, वह गर्मी में सूख जाते हैं। अमृत सरोवर का पानी यहां के किसान सिंचाई के लिए ले सकते हैं। यहां के सूख चुके कुएं और बोर भी तालाब के बनने से रिचार्ज होंगे।

बड़वानी

49

जल धारा जीवन धारा

जल का संरक्षण ही जीवन का संरक्षण है, अब्दुल रहीम ने पानी को लेकर कहा भी है कि बिन पानी सब सून। पानी के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। जल संरक्षण से ही जल संवर्धन संभव है। जल संरक्षण में अमृत सरोवर का निर्माण एक मील का पत्थर है, इसी कड़ी में जिला सागर की जनपद पंचायत बंडा के ग्राम जगथर में 12375 घनमीटर की जल संधारण क्षमता के अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। जल संरचना के संबंध में जल उपयोगकर्ता समूह के सदस्य बताते हैं कि इस संरचना के बनने से पहले 05 बोरा अनाज होता था, परंतु इस संरचना के बन जाने से प्रति वर्ष हम 02 फसल ले सकेंगे। जिससे 20 से 25 बोरे अनाज की प्रति वर्ष वृद्धि होगी।

सागर

50

वन्य प्राणियों के संरक्षण की ओर एक कदम

मानव समाज के विकास की दौड़ में सबसे अधिक किसी ने सहन किया है तो वह हैं पशु-पक्षी। सिमटते जंगलों ने जानवरों के निवास, उनके भोजन-पानी में बड़ी सेंध लगाई है। अब वह समय आ गया है, जब हम इंसानों को ही वन्यजीव की सुरक्षा का बीड़ा उठाना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए वन्यजीव किताबों के किस्से बनकर न रह जाएं। छिंदवाड़ा जिले की ग्राम पंचायत सुर्रेवानी में बन रहे अमृत सरोवर को इस ओर की गई एक पहल के रूप में देखा जा रहा है। यहां बन रहा अमृत सरोवर विश्व प्रसिद्ध पेंच राष्ट्रीय उद्यान का बफर जोन है। इस राष्ट्रीय उद्यान मे बाघ, तेंदुआ, हिरण, लकड़बघ्घा, नील गाय, सियार एवं विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी का निवास है। यह अमृत सरोवर इन वन्य प्राणियों के लिए पीने के पानी की पूर्ति में सहायक होगा।

छिंदवाड़ा

51

जल संरक्षण से जीवन संरक्षण

प्राचीन काल से ही हमारे देश में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए गए विभिन्न प्रयास आज भी दृष्टिगोचक होते हैं। कालांतर में जल संरक्षण के इन्हीं प्रयासों ने हमारे जीवन को संभाला है। इसी परंपरा में अमृत सरोवर का निर्माण एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। जिला सागर के जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत रानीपुरा में **25000** घनमीटर के विशाल अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। मिशन अमृत सरोवर अंतर्गत बने स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने बताया कि इस अमृत सरोवर से गांव के बड़े क्षेत्र में सिंचाई सुविधा विकसित होगी। पशुओं के लिए पेयजल उपलब्ध होगा, पर्यावरण को भी लाभ प्राप्त होगा। तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए तीन स्तरों पर छायादार, फलदार, एवं सजावटी वृक्षों का पौधरोपण किया जा रहा है ताकि क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा सके।

सागर

52

इतिहास में दर्ज रीति में जुड़ा एक नया मुकाम

जिला मंदसौर की चिकन्या ग्राम पंचायत के बुजुर्ग लोग बताते हैं कि गांव चिकनिया (लुक्का) लगभग एक हजार वर्ष पुराना है जो कि गरोठ से लगभग 15 कि.मी. पूर्व दिशा में राजस्थान की सीमा पर स्थित है। लगभग 450 वर्ष पूर्व गोठा अजमेर (राजस्थान) से राजपूत समाज के कुछ लोग पलायन कर यहाँ पहुंचे थे। गांव में 65 वर्ष पूर्व मथुरा के कुछ कलाकारों द्वारा 10 दिन तक रामायण का मंचन किया था जिसका अनुकरण करते हुए गांव के नौजवान लगातार 65 वर्षों से नवरात्रि में नाटक का मंचन करते आ रहे हैं। इस गांव में एक ही पत्थर से बना हुआ महादेव का मंदिर है जो महाभारत काल में पाण्डवों द्वारा निर्मित किया जाना बताया जाता है। गाँव में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर में कला मण्डली के द्वारा उल्लेखनीय सहयोग देते कार्य संपन्न हुआ है।

मंदसौर

53

आगे आ रहे हैं कई हाथ

अमृत सरोवर निर्माण में जनभागीदारी के एक से बढ़कर एक उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। इसे अमृत सरोवर के प्रावधानों की खूबी ही कह सकते हैं कि अब सिर्फ ग्रामीण ही नहीं बल्कि बाहरी लोग भी इस काम में सहयोग दे रहें हैं। ऐसा ही एक वाक्या हुआ है जिला झाबुआ की ग्राम पंचायत रन्नी में। यहां सड़क निर्माण का कार्य एक निजी कम्पनी द्वारा किया जा रहा है। कम्पनी के संचालक को गांव में अमृत सरोवर निर्माण की सूचना मिलने पर उनके द्वारा कार्य करने के लिए खुदाई करने की मशीन उपलब्ध कराई गई। मशीन के माध्यम से पडल एवं वेस्ट-वेयर का कार्य कराया गया। इसी दौरान ग्रामीणों द्वारा भी श्रमदान किया गया।

झाबुआ

54

वर्ष में 03 फसल से सुधरेंगे आर्थिक हालात

जिला रायसेन की ग्राम पंचायत सेमरीखुर्द में निर्मित अमृत सरोवर में एक उपयोगकर्ता दल का गठन किया गया है। इस सरोवर के निर्माण से दल में शामिल छोटे-छोटे कृषकों की लगी हुई जमीन पर तीन फसल की पैदावार होने लगेगी। साथ ही उद्यानिकी से संबंधित वृक्षारोपण भी किया जा सकेगा। उपयोगकर्ता दल की सदस्य ने बताया कि उनके पास एक एकड़ सरोवर से लगी हुई असिंचित जमीन है। इस सरोवर के निर्माण से वह तीन फसल लेंगे जबकि अभी बामुश्किल दो ही फसल ले पा रहे थे। इससे इन्हें लगभग एक लाख रुपए का लाभ होगा। इसी प्रकार अन्य सदस्य द्वारा बताया गया कि उनके पास 2.50 एकड़ भूमि है, जिसमें सिंचाई की सुविधा न होने से वह दो फसल ही ले रहे थे। सरोवर से सिंचाई के लिए पानी मिलने से पैदावार बढ़ेगी तथा वह अपनी खेत के मेढ़ पर फलदार वृक्ष रोपित करेंगे।

रायसेन

55

अमृत सरोवर के जल से मनेगी रंगपंचमी

जिला अशोकनगर की ग्राम पंचायत जसैया से मात्र 08 कि.मी. की दूरी पर जानकी करीला माता का ऐतिहासिक मंदिर स्थित है। पुरानी धारणा है कि मां जानकी जी ने महर्षि वाल्मिकी आश्रम में लव-कुश को जन्म दिया था एवं उनका पालन पोषण किया था। यहां प्रतिवर्ष रंगपंचमी के अवसर पर करीला मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें लगभग 15 से 20 लाख श्रद्धालु मां जानकी के दर्शन करने आते हैं। जिला अशोकनगर में निर्मित हो रहे अमृत सरोवरों में से एक सरोवर इस पावन स्थान पर निर्मित किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत जसैया के 12 ग्रामीणों द्वारा अमृत सरोवर निर्माण में स्वयं की मशीनरी एवं डीजल देकर सहयोग किया गया है। ग्राम पंचायत जसैया में अमृत सरोवर निर्माण होने से 18 हैक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ेगा, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। वहीं 18 परिवारों के निस्तार एवं पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध हो सकेगा।

अशोकनगर

56

सही तकनीक देती है बेहतर परिणाम

सर्वविदित है की मानव सभ्यता नदियों एवं जलाशयों के किनारे ही विकसित हुई है। जल की पर्याप्त उपलब्धता पर ही सम्पूर्ण जैवविविधता पाई जाती है। जिला आगर-मालवा की ग्राम पंचायत भदवासा में अमृत सरोवर निर्माण के लिए बगसमाता पहाड़ी के नीचे के स्थान का चयन किया गया है, जो जल संग्रहण के उद्देश्य से उपयुक्त स्थान है। बगसमाता पहाड़ी पर मंदिर होने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सरोवर का विहंगम दृश्य भी देखने को मिलेगा, साथ ही बारिश का पानी पहाड़ी से बहकर सीधे सरोवर में उतरेगा। सरोवर निर्मित होने से लगभग **39837** घनमीटर पानी पूरे वर्षाकाल में भू-गर्भ में समाहित होगा, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ-साथ ही आस-पास के कुएं भी रिचार्ज होंगे तथा लगभग अतिरिक्त एक माह तक का पानी उपलब्ध हो सकेगा।

आगर-मालवा

57

अमृत सरोवर की प्रशंसा करता कमल सरोवर

मंदसौर जिले की ग्राम पंचायत जावी के पूर्वी क्षेत्र में एक प्राचीन तालाब स्थित है, जो कमल सरोवर के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यह तालाब लगभग 200 वर्ष पुराना है। क्षेत्रवासियों की मान्यता अनुसार इस तालाब की विशेषता यह है कि इसमें 108 पंखुड़ियों के कमल खिलते हैं। इस प्रकार के कमल सम्पूर्ण देश में दो स्थानों पर ही पाये जाते हैं। ग्राम पंचायत जावी जैसी प्रसिद्ध स्थली का चयन अमृत सरोवर निर्माण के लिए किया गया है। यहां 45000 घनमीटर की क्षमता का विशाल अमृत सरोवर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे 30 हेक्टेयर भूमि सिंचित होने का अनुमान है।

मंदसौर

58

जनभागीदारी का कीर्तिमान

देवास जिले की ग्राम पंचायत गदईशा पिपलिया में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर में जन भागीदारी का एक कीर्तिमान देखने को मिल रहा है। यहां पर ग्रामीणों द्वारा दिए गए जनसहयोग को यदि मौद्रिक मूल्य में देखा जाए यह राशि 28 लाख रुपए आती है। जन-भागीदारी में खुले हाथ से सहयोग देने के पीछे ग्रामीणों का उद्देश्य साफ है। यह अमृत सरोवर इससे जुड़े 10 उपयोगकर्ता समूह को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा और आस-पास के लगभग 30 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी।

देवास

59

वीर सपूत शहीद देवेन्द्र द्विवेदी को समर्पित अमृत सरोवर

रीवा जिले की ग्राम पंचायत बम्हनी गढीहा में अमर शहीद स्व. देवेन्द्र द्विवेदी के नाम से नवीन अमृत सरोवर स्वीकृत किया गया है। ग्रामीणों का मत था कि देश की सेवा में जान देने वाले इस वीर योद्धा के नाम से यह सरोवर प्रचारित हो।

सरोवर निर्माण में जनभागीदारी के रूप में व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। कई गणमान्य नागरिकों ने श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जो बहुत सराहनीय है।

रीवा

60

इतिहास भी, आस्था भी

मध्यप्रदेश के जिला श्योपुर की ग्राम पंचायत ढोढर की गढ़ी पारम नदी तट पर स्थित है। इस गढ़ी का निर्माण करोली के राजा गोपाल सिंह जादोन द्वारा सन् 1753 ई. में करवाया था। गढ़ी का मुख्य भवन तीन मंजिल में बना है। गढ़ी परिसर में ही भगवान गिर्राज जी का मंदिर बना है जो यहां के लोगों की आस्था का केंद्र है। ग्राम पंचायत ढोढर में 20000 घनमीटर क्षमता का अमृत सरोवर निर्मित किया जा रहा है। तालाब निर्माण होने से सरोवर में वर्षा जल का भराव होगा। तालाब के भराव क्षेत्र का पानी किसानों को कृषि हेतु उपलब्ध होने से किसान फसल परिवर्तन करेंगे।

श्योपुर

61

एक पंत दो काज

जिला कटनी की ग्राम पंचायत बकलेहटा में कटनी-बीना रेल्वे मार्ग संचालित है। जो कटनी से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है। स्टेशन में पैसेंजर ट्रेन सहित साप्ताहिक एवं स्पेशल ट्रेनों का स्टापेज हो रहा है। रेल्वे स्टेशन से मात्र आधा किलो मीटर की दूरी पर ही अमृत सरोवर तालाब निर्माणाधीन है। अमृत सरोवर के आस-पास पार्क विकसित किया जावेगा जिससे सरोवर के साथ-साथ रेल्वे स्टेशन की सुंदरता भी बढ़ेगी। ग्राम पंचायत में उपसरपंच एवं अन्य ग्रामीणजनों द्वारा अमृत सरोवर निर्माण कार्य में 03 दिवस श्रमदान का कार्य किया है, जिससे स्थानीय श्रमिकों द्वारा कार्य उत्साहपूर्वक किया जा रहा है।

कटनी

62

बनी रहे जनसहयोग की कड़ी

जिला मण्डला की ग्राम पंचायत रैवाड़ा में निर्मित हो रहा है अमृत सरोवर। किवदंती है कि इस गांव को राय लोगों के द्वारा बसाया गया था, जिसका कालांतर में रायवाड़ा से रैवाड़ा नाम हो गया। इस गांव में जन-सहयोग और जन-भागीदारी का पुराना इतिहास है। पूर्व में इस गांव में स्व. श्री शोभाराम पटेल द्वारा 17 एकड़ जमीन दान दी गई थी और एक शिवमंदिर का निर्माण उनके द्वारा किया गया। आज वही 17 एकड़ जमीन गांव के लोगों द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से कृषि कार्य हेतु भूमिहीन एवं कमजोर वर्ग के किसानों को खेती के लिए दी जाती है। ग्रामीणों ने एक बार फिर यही जन-भागीदारी अमृत सरोवर निर्माण के दौरान दिखाई है। खुदाई कार्य, परिवहन, पानी की व्यवस्था आदि के लिए ग्रामीणों ने खुले दिल से सहयोग किया है।

मण्डला

63

दिल के धनी भील समुदाय को मिलेगी अमृत सरोवर से नई पहचान

मध्य भारत के निवासी भील जनजाति को देश में तीसरा सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय माना जाता है। इतिहास में भीलों की वीरता एवं साहस का वर्णन मिलता है। भील समुदाय का मुख्य व्यवसाय कृषि है। वह भी एक फसली, क्योंकि इनके निवास-क्षेत्र में वर्षा कम होती है। शेष समय में इनका व्यवसाय जंगली जानवरों का शिकार करना, जंगल में शहद इकट्ठा करना, लाख एवं लकड़ी का संग्रह करना, पशु चराना और दूध की वस्तुएँ तैयार करना, मछली पकड़ना, मजदूरी करना और डलिया तथा टोकरे आदि बनाकर कस्बों में बेचना होता है। रतलाम जिले की लुनी ग्राम पंचायत में बन रहा अमृत सरोवर भील समुदाय के साहस और वीरता को समर्पित किया गया है।

रतलाम

64

सरोवर निर्माण कार्य बना सहयोग और योगदान की मिसाल

जिला शहडोल की ग्राम पंचायत नरवार में निर्मित हो रहा है 40000 घनमीटर का अमृत सरोवर। ग्राम पंचायत नरवर का इतिहास और भौगोलिक संरचना बहुत ही रोचक है। यहां के नगदहा स्थल में खुदाई के दौरान हमेशा एक निश्चित आकृतिनुमा पत्थर प्राप्त होते हैं। गांव के पुराने लोग बताते हैं कि प्राचीनकाल में यहां के निवासियों का रहन-सहन अधिक परिश्रम वाला और सरल था। सरोवर का निर्माण गांव के जिस स्थल पर कराया जा रहा है, उसमें पानी का भराव दो तरफ से प्राचीन समय से निर्मित नाले के माध्यम से होगा। सरोवर का पानी 3 गांव के ग्रामीणों के पेयजल एवं दैनिक निस्तार के उपयोग में आएगा। सरोवर से लगी लगभग 25 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता के साथ-साथ नमी के कारण भूमि की उर्वरकता भी बढ़ेगी।

शहडोल

65

अमर रहेगा सीधी का लाल

शहीद लांस नायक श्यामलाल सिंह 18 राजपूताना रायफल में पदस्थ रहे। सीधी जिले की ग्राम गोरियरा के निवासी श्री श्यामलाल सिंह सन् 1971 के भारत पाक युद्ध में देश के लिए लड़ते हुए 15 दिसम्बर 1971 को शहीद हुए। उनकी स्मृति में पटेहरा खुर्द ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। यह सरोवर वन क्षेत्र से लगा हुआ है जिससे वन्य जीवों और स्थानीय निवासियों को जल आपूर्ति होगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी सरोवर को विकसित किया जा रहा है। सरोवर स्थान में शहीद लांस नायक श्यामलाल सिंह की स्मृति में जानकारी भी पटल में प्रदर्शित की जाएगी ताकि सरोवर के माध्यम से यह शहीद सदा लोगों की स्मृति में रहें।

सीधी

66

समाज सेवी भी आ रहे हैं आगे

अमृत सरोवर निर्माण में प्रायवेट कम्पनी से सीएसआर के रूप में भी जनसहयोग प्राप्त हो रहा है। जिला शहडोल की ग्राम पंचायत सरसी के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा अमृत सरोवर के कार्य में जेसीबी मशीन, ट्रैक्टर, एवं पानी का टैंकर उपलब्ध कराया गया है। इनके द्वारा लगभग 390000 लाख रुपए का योगदान दिया गया है, जो कि सरोवर निर्माण में बहुत बड़ी सहायता है।

शहडोल

67

बदलेगा जीवन का स्तर, फिर होगा बेहतर कल

सीहोर जिले की ग्राम पंचायत बड़नगर, जिले से 13 कि.मी. दूरी पर बड़ियाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र के पास सीहोर-बिलकिसगंज मार्ग से पूर्व की ओर स्थित है। यही से लगभग 1.5 कि.मी. दूर पर माता मंदिर बड़ली स्थित है, जहां दशहरे पर मेला लगता है जिसमें आस-पास के लगभग 5000 ग्रामीणजन आते हैं। इस स्थान पर 14800 घनमीटर क्षमता का अमृत सरोवर निर्माणाधीन है। सरोवर को गांव के ही एक युवक श्री विनोद कुमार जाटव को समर्पित किया गया है, जो वर्तमान में भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा में तल्लीन हैं। इस सरोवर से लगभग 50 परिवारों की निजी एवं सामुदायिक कूप रिचार्ज होकर जलस्तर में सुधार होगा।

सीहोर

68

अमृत सरोवर में लिखा जाएगा पेशवा का इतिहास

महान पेशवा बाजीराव की समाधी जिला खरगोन के रावेरखेड़ी में स्थित है। उत्तर भारत के लिए एक अभियान के समय उनकी मृत्यु यहीं नर्मदा किनारे हो गई थी। जिला खरगोन के विकासखण्ड बड़वाह की ग्राम पंचायत में निर्मित हो रहे **12000** घनमीटर के अमृत सरोवर को पेशवा बाजीराव को समर्पित करते हुए उनके नाम पर रखा गया है। इतिहास में रुचि रखने वाले के लिए यह अमृत सरोवर अध्ययन का केन्द्र बन कर सामने आएगा। यहां आने वाले सैलानी अमृत सरोवर का आनंद लेने के साथ ही पेशवा बाजीराव से जुड़े रोचक इतिहास का ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे।

खरगोन

69

अमिट रहेगा आप का लेखन

पद्मश्री रामनारायण उपाध्याय हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध लेखक थे, उनका जन्म 20 मई 1918 को मध्यप्रदेश के खण्डवा जिले के कालमुखी में हुआ और शिक्षा गाँव में हुई। उन्होंने गाँधी जीवन से लेखन की प्रेरणा लेकर लेखन आरम्भ किया। जिला खण्डवा की ग्राम पंचायत डोंगरगांव में निर्मित हो रहा अमृत सरोवर पंडित जी के जन्म स्थल से मात्र 5 किमी दूर है। इस सरोवर को पद्मश्री पंडित श्री रामनारायण उपाध्याय जी के नाम पर निर्मित किया गया है। कितने ही व्यंग्य, लोकसाहित्य, निबंध, संस्मरण को कागजों में उतारकर लोगों के हृदय में देश भक्ति की भावना जगाने वाले पद्मश्री रामनारायण उपाध्याय को समस्त साहित्य प्रेमियों की ओर से यह अमृत सरोवर एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

खण्डवा

70

राष्ट्रीय धरोहर के पास अमृत सरोवर

जिला सीहोर की ग्राम पंचायत पानगुराडिया में सारू मारू की गुफा है जो प्राचीन मठ परिसर और बौद्ध गुफाओं का पुरातात्विक स्थल है। गुफा के पास सम्राट अशोक का पांचवा शिलालेख है। लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में फैली इसी पहाड़ी में सैकड़ों की संख्या में पुरातत्व शैल चित्र एवं बौद्ध स्तूप हैं, जिनका संरक्षण और रख रखाव राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाता है। इस ऐतिहासिक स्थान के पास ही अमृत सरोवर निर्माण का निर्णय लिया गया है ताकि यहां आने वाले पर्यटक इतिहास के साथ-साथ आजादी के अमृत महोत्सव काल में निर्मित अमृत सरोवर के विषय में जान सकें।

सीहोर

71

अमृत सरोवर के चारों ओर गूंजा नर्मदे हर!

भारत की प्रमुख सात नदियों में से एक है पवित्र नदी नर्मदा। इसे रेवा के नाम से भी जाना जाता है। नर्मदा नदी को 'मध्यप्रदेश की जीवन रेखा' भी कहा जाता है। नर्मदा, विभिन्न क्षेत्रों से निकलते हुए पश्चिम की ओर चल कर खंभात की खाड़ी, अरब सागर में जा मिलती है। अपने उद्गम स्थल अमरकंटक से निकलकर यह नदी सबसे पहले अनूपपुर जिले की ग्राम पंचायत हर्राटोला में प्रवेश करके आगे की ओर बढ़ती है। ग्राम पंचायत हर्राटोला में 4 किमी की दूरी पर पंचधारा नामक नर्मदा नदी पर दर्शनीय जल प्रपात भी है। ग्राम पंचायत हर्राटोला में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर को भी अवसर मिलेगा मां नर्मदा के पावन दर्शन का। नर्मदा की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु इस ग्राम पंचायत से होकर ही गुजरते हैं। नर्मदा के साथ ही श्रद्धालु, आजादी के 75वें वर्ष में निर्मित हो रहे अमृत सरोवर का दर्शन लाभ भी ले सकेंगे।

अनूपपुर

72

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देता अमृत सरोवर

जिला नर्मदापुरम का मड़ई क्षेत्र एक आरक्षित वन है और सतपुड़ा बायोस्फीयर परियोजना का अभिन्न अंग है। यह भारत में सबसे सुंदर वन सतपुड़ा के प्रवेश द्वार पर स्थित है। यह वन क्षेत्र आपको समृद्ध वन्य जीवन, विशाल घास के मैदान, अंतहीन बैकवाटर और मंत्रमुग्ध करने वाले दृश्यों से प्रसन्न करता है। मड़ई टाइगर रिजर्व में देश-विदेश के सैलानी अद्भुत वन्य जीवन और पक्षियों को देखने का अनुभव करते हैं। मड़ई क्षेत्र से लगी हुई ग्राम पंचायत कामतीरंगपुर के बीजाखाड़ी गांव में 11800 घन मीटर क्षमता का अमृत सरोवर निर्मित हो रहा है। मड़ई क्षेत्र से लगे होने के कारण यह सरोवर वन्य जीवों को पीने का पानी उपलब्ध कराने में महती भूमिका निभायेगा। यह सरोवर मढ़ई क्षेत्र में आने वाले सैलानियों के लिए ग्रामीण पर्यटन का एक महत्वपूर्ण स्थान साबित होगा।

नर्मदापुरम

73

बारहमास होगी सब्जियों की पैदावार

जिला सतना की ग्राम पंचायत मानिकपुर में 90 प्रतिशत परिवार खेती, वनसम्पदा, पशुपालन पर निर्भर है। एक तरफ से वन क्षेत्र होने के कारण जल संरचनाओं की स्वीकृत में समस्या होती है। यहां पर मुख्य रूप से सब्जियों की खेती की जाती है। पानी के अभाव में जनवरी से जुलाई तक जमीन खाली पड़ी रहती है। ग्रामीणों में यहां अमृत सरोवर बनने से उम्मीद की किरण जागी है। अमृत सरोवर का निर्माण हो जाने से यहां के जल स्तर में वृद्धि होगी, जिससे सब्जियों की खेती बारहमास की जा सकेगी एवं वन क्षेत्र होने के कारण वन्य जीवों के पीने के लिए पानी सुगमता से उपलब्ध होगा। इस कार्य से ग्रामवासी बहुत उत्साहित हैं एवं माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं।

सतना

74

अमर रहेगा देश का सपूत

दिसम्बर 2014 में बस्तर के चिंतागुफा क्षेत्र में हुए नक्सली हमले में मध्यप्रदेश ने अपना एक सपूत खोया है। उस अमर वीर जवान का नाम है शहीद मनीष सिंह। मनीष जिला बालाघाट के रहने वाले थे। राष्ट्र की रक्षा में बलिदान देने वाले शहीद मनीष सिंह की स्मृति में जिला बालाघाट के विकासखण्ड बैहर की ग्राम पंचायत बम्हनी में अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। इस अमृत सरोवर को शहीद मनीष सिंह के नाम से पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की भी योजना है। देश के सपूत के नाम इस धरोहर को साफ, सुन्दर व स्वच्छ रखने के लिए जनभागीदार के रूप में सैकड़ों हाथ आगे आए हैं। तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए सरोवर के पास उद्यान का निर्माण किया जावेगा, जिसमें बच्चों को खेलने के लिए छोटे-छोटे झूले लगाये जाएंगे, पर्यटकों को बैठने के लिए बैंच का निर्माण कराया जाएगा, बच्चों के लिए एडवेन्चर से भरे खेल भी शुरू होंगे।

बालाघाट

75

वीरांगना के अदम्य साहस पर शीश नवाता पूरा देश

''वह तीर थी, तलवार थी, भालों और तोपों का वार थी, फुंकार थी, हुंकार थी, शत्रु का संहार थी''। मध्यप्रदेश के गौरव को अपने अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम से बढ़ाने वाली महान योद्धा रानी दुर्गावती को समर्पित हैं यह पंक्तियां। रानी दुर्गावती की वीर गाथाओं से भरा पड़ा है इतिहास। जिला दमोह की ग्राम पंचायत चौरई में निर्माणाधीन अमृत सरोवर को वीरांगना दुर्गावती को समर्पित किया गया है। पंचायत चौरई के पास वीरांगना रानी दुर्गावती का किला है। चौरई के ग्रामवासी प्रसन्नता के साथ बताते हैं कि ''हम लोग ग्राम में बहुत पहले से तालाब निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। शासन की मिशन अमृत सरोवर योजना से हमारी इच्छा पूर्ण हो रही है और हमारे यहां **19600** घनमीटर जल संधारण क्षमता का अमृत सरोवर निर्मित हुआ है।''

दमोह

मेरा अमृत सरोवर मेरे विचार...

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी अमृत सरोवर योजना वर्षाजल संरक्षण के लिये वरदान साबित होगी। यह सरोवर ग्रामों को नया जीवन देने के साथ कृषक व मछुआरों के रोजगार के साधन भी बनेंगे। सूखे क्षेत्रों में इससे न केवल सिंचाई व पेयजल की व्यवस्था होगी अपितु भूमिगत जल भण्डार बढ़ेंगे।"

—**मोहन नागर**, जल प्रहरी, पर्यावरण कार्यकर्ता, बैतूल

"मैं बहुत खुश हूं कि गांव प्रधान रहते हुए मुझे अमृत सरोवर जैसा काम करने का मौका मिला। इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद कहना चाहूंगी। गांव में हमेशा ही पानी की किल्लत रही है। ऐसी संरचना की हमेशा से जरूरत थी जो बड़ी मात्रा में बारिश के पानी को सहेजे।"

—**श्रीमती बिन्ना बाई यादव**, प्रधान, ग्राम पंचायत डूमवार, जिला - टीकमगढ़

"मैं और मेरा परिवार पिछले कई पीढ़ियों से इस गांव में रह रहे हैं। खेती के साथ ही मैं ग्रामीणों के लिए समाज सेवा का काम भी करता आ रहा हूँ। मैं यह देख रहा हूँ कि अमृत सरोवर बनने से पूरे गांव में बहुत खुशी व्याप्त है। जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में ऐसी जल संरचना की बहुत आवश्यकता थी।"

—**श्री राजकुमार माहोरे**, ग्राम पंचायत सुर्रेवानी, जिला – छिंदवाड़ा

"अमृत सरोवर की अवधारणा बहुत अच्छी है। एक पर्यावरणविद् होने के नाते मैं यह देख सकता हूं कि इस प्रकार की संरचनाएं गांव में पर्यावरण संतुलन में सहायक होंगी। इन सरोवर से गांव में हरियाली तो बढ़ेगी ही, भू-जल में भी वृद्धि होगी। बहुत संभावना है कि पानी की उपलब्धता देखकर पक्षी और जानवर यहां पानी पीने आएं।"

—**महंत श्री दयाल गिरी,** पर्यावरणविद् जिला खण्डवा, मध्यप्रदेश

"जब मुझे पता चला कि अमृत सरोवर के लिए जन सहयोग की आवश्यकता है तो मैंने और मेरे चार अन्य साथियों ने सरोवर के लिए जमीन निःशुल्क दान देने का फैसला किया। मुझे खुशी है कि हमारे क्षेत्र में इतना बड़ा सरोवर निर्मित हो रहा है।"

—**ईडा तेरसिंह,** जिला - अलीराजपुर

"जब हमें पता चला कि हमारे गांव में अमृत सरोवर बन रहा है और इसमें आम जन भी योगदान दे सकता है तो गांव वासियों ने निर्णय लिया कि हम अपनी क्षमता अनुसार इस कार्य में योगदान देंगे। मैंने भी अपना ट्रैक्टर इस काम में दिया है।"

—**श्री धनपाल सिंह यादव,** पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत खनियांधाना, जिला - शिवपुरी

"मैं और मेरे दोस्त छुट्टियों में पिकनिक मनाने के लिए घर से बाहर जाना चाहते हैं। लेकिन आस-पास ऐसी कोई जगह नहीं होने से घर पर ही रहना पड़ता है। हमारे गांव में बन रहे अमृत सरोवर के पास पार्क बनाया जा रहा है, पौधे भी लगाए जाएंगे। अब हमे लगता है कि जल्द हमारे गांव को एक पिकनिक-स्पॉट मिल जाएगा।"

—**श्री सुनील मंडलोई,** पिता राजेन्द्र मंडलोई, युवा छात्र, जिला - खण्डवा

अमृतसरोवर
कामठामाल

झरोखा

1267 जलसंरचनाओं का करा रहे कायाकल्प, 100 नवीन तालाबों का निर्माण

जिले में बन रहे 107 अमृत सरोवर, बारिश का 107 करोड़ लीटर पानी सहेजेंगे

टीकमगढ़-निवाड़ी में 21 करोड़ से बनेंगे 145 तालाब, 12.61 करोड़ मजदूरी पर होंगे खर्च

ग्राम पंचायतों में निकाली गई जल यात्रा

जिले में 518 जल संरचनाओं के निर्माण का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल शुभारंभ

22.41 करोड़ के 110 अमृत सरोवर स्वीकृत, 103 में काम शुरू

बारिश का पानी बचाने के साथ हर व्यक्ति लगाए एक पौधा

जनसहयोग से अमृत तालाब बनाने का काम शुरू, बढ़ेगा भू-जल स्तर

तालाबों से जमीन का जलस्तर बढ़ेगा, मछली पालन और सिंघाड़े की पैदावार होगी

नैगुवा में अभियान को लेकर जन चौपाल का हुआ आयोजन

आज से शुरू होंगे जल संवर्धन-संरक्षण

तैयार हो रहे हैं अमृत सरोवर, जिले में 38 तालाब निर्माणाधीन

झरोखा

अमृत सरोवर बदलेंगे तस्वीर...

भूजल स्तर होगा बेहतर

जोरों से चल रहा काम, 15 जून तक तैयार होंगे अमृत सरोवर

बारिश का 10 लाख क्यूबिक मीटर पानी सहेजने की तैयारी, 300 हेक्टेयर रकबे में होगी सिंचाई

पानी का संरक्षण करने सरकार ने शुरू की अनोखी पहल

जल संरक्षण के लिए जुटे श्रमिक

पहली बार अमृत सरोवरों की मुंडेरों पर मनाया जाएगा आजादी का पर्व

बारिश के 'अमृत' को सहेजने के लिए तैयार हो रहे 'सरोवर'

सीईओ जिला पंचायत खुद सुबह छह बजे से कर रहे निरीक्षण

पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग का अमला मैदान पर

इधर... डेढ़ माह में बनाएंगे 107 सरोवर

अमृत सरोवरः जिले में 13 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे

अमृत सरोवर में श्रम की बूंदें — गांव बोरघाटा में 50 परिवारों ने किया अनूठा काम, 67 फीसद जनसहयोग

गरीब किसानों ने पाई-पाई जमा कर बना दिया तालाब

विभूतियों के नाम से जाने जाएंगे जिले के अमृत सरोवर

विधायक ने किया तालाब के कार्य का भूमिपूजन

75 अमृत सरोवरों को बारिश की बूंदों का इंतजार, फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

अमृत सरोवर प्रदेश की प्रगति

प्रगति...

- भारत सरकार द्वारा दिया गया लक्ष्य : 3900
- चिन्हित स्थान : 5796
- कार्य प्रारंभ : 5044
- कार्य प्रारंभ कार्यों की लागत : रुपये 804.42 करोड़
- कार्य प्रारंभ कार्यों की जल भण्डारण क्षमता : 75.24 मिलियन घनमीटर
- जनभागीदारी

  मशीनें : रुपये 30.87 करोड़

  अन्य सहयोग उदाहरण (जमीन दान आदि) : रुपये 2.08 करोड़
- सिंचित क्षेत्र (संभावित) : 1 लाख 30 हजार एकड़
- सीधे लाभान्वित होने वाले परिवार : लगभग 45 हजार

उमाकांत उमराव

प्रमुख सचिव

मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

मध्यप्रदेश शासन

उमाकांत उमराव

अपनी बात...

आजादी के अमृत महोत्सव काल में निर्मित किये जा रहे अमृत सरोवर जल संग्रहण के उद्देश्य के साथ-साथ स्थल विशेष से जुड़ी गौरव गाथाओं, इतिहास, विरासत, स्थानीय महान विभूतियों, धरोहरों, सामाजिक व धार्मिक आंदोलन, वैचारिक, संस्कृति व क्षेत्र की अन्य विशेषताओं को चिर स्थायी बनाने हेतु भी बनाये जा रहे हैं। यह सरोवर पर्यावरण, जैव विविधता तथा पर्यटन के व्यापक उद्देश्य को पूरा करने के लिये भी उपयोगी रहेंगे।

इनके निर्माण हेतु प्रदेश में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का अभिसरण व अभियंत्रिकी के बेहतर ज्ञान का प्रयोग किया जा रहा है। समुदाय की सक्रिय भागीदारी, जुड़ाव के लिये प्रभावी संस्थागत व्यवस्था तैयार कर एक रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है, जिससे कि इन जल संग्रहण के कार्यों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ अन्य उल्लेखित उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

यह सरोवर आजादी के अमृत महोत्सव की स्मृति के साथ-साथ प्रदेश की समृद्धि एवं विकास के लिये शुरू किये गये एक नये अध्याय के रूप में भी जाने जायेंगे। सामुदायिक भागीदारी से विभाग द्वारा इन सरोवरों को परिणाम मूलक बनाये जाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

शुभकामनाओं सहित!

(उमाकांत उमराव)
प्रमुख सचिव
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

अमृत सरोवर की जल गाथाओं के सृजन की अनवरत जारी यात्रा...

मध्यप्रदेश शासन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग